राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 14 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-279 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राघोपुर-बिदुपुर 6 लेन पुल कहलाएगा 'नीतिश सेतु'

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, 25 मिनट में होगा सफर पूरा



पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 21 नवंबर को बिहार आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसका नामकरण राज्य सरकार की ओर से नीतिश सेतु किया गया है। सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि नीतिश सेतु के शुभारंभ के साथ ही प्रधानमंत्री राजापाकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनोपयोगी और विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे।

पटना से वैशाली पहुंचने में 25 मिनट लगेंगे- करीब 9.76 किमी कच्ची-दरगाह बिदुपुर छह लेन गंगा सेतु उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच सड़क संपर्क को नई रफ्तार देगा। इसके चालू होने से पटना से वैशाली पहुंचने में महज 20 से 25 मिनट लगेंगे। अभी इस रूट पर महात्मा गांधी सेतु और दूसरे रास्तों के कारण लोगों को ट्रैफिक जाम और लंबी दूरी की परेशानी झेलनी पड़ती है। गंगा नदी पर पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर महासेतु की लंबाई 9.76 किमी है, लेकिन एप्रोच रोड समेत पूरी परियोजना बड़ी है। कई जिले के लोगों की भी मुश्किलें होगी कम-कच्ची-दरगाह बिदुपुर छह लेन गंगा सेतु के शुरू होने से कई जिलों के लोगों को राहत मिलने की संभावना है। पटना और वैशाली के अलावा समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा जैसे जिलों के पटना आने-जाने वाले लोगों को भी वैकल्पिक और तेज रास्ता मिलेगा। जबकि गांधी सेतु पर वाहनों का दबाव भी कम होगा।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को लगाई फटकार

बीजेपी का पक्ष लेने वाले जज कौन हैं, लिस्ट दीजिए

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के न्यायपालिका और जस्टिस को लेकर की गई टिप्पणी को गंभीरता से लिया है। गुरुवार को उनकी याचिका सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि सांसद अभिषेक बनर्जी को उन जजों की लिस्ट देनी चाहिए, जो बीजेपी का पक्ष लेते हैं। साथ ही उन्हें टीएमसी का समर्थन करने वाले जजों की सूची भी दें। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर के सांसद हैं। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद उनकी सिक्युरिटी घटा दी गई। टीएमसी सरकार के दौरान उन्हें जेड+ श्रेणी की सुरक्षा दी जाती थी। अब वह वाय कैटेगरी की सिक्युरिटी दी गई है। अभिषेक बनर्जी ने अपनी सुरक्षा में कमी के फैसले को कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती दे रखी है, जिस पर सुनवाई चल रही है। बीते 7 नवंबर को अभिषेक बनर्जी के बर्थडे सेलीब्रेशन के दौरान बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प हुई थी।



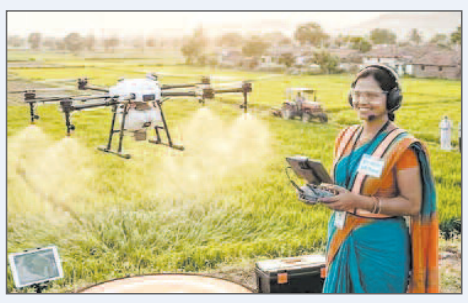
बर्थडे पर सांसद बनर्जी ने किया था जज पर भी कमेंट

हंगामे के बाद अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने जूडिशरी सिस्टम और जज पर तीखी टिप्पणी की। रिपोर्टस के मुताबिक, बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी के दबाव में उनके सुरक्षा घटाए जाने वाले मामले में आंशिक सुनवाई हुई है। उन्होंने जस्टिस कृष्णा राव का नाम लेते हुए कहा कि इस केस को वेकेशन बेंच में आइटम नंबर 16 के रूप में लिस्ट किया गया था। जज ने आइटम नंबर 15 तक के मामलों की सुनवाई की और फिर उठ गए। सांसद अभिषेक बनर्जी यही नहीं रुके। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका मूकदर्शक बनी हुई है। हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है।

अच्छी खबर

'पायलट भाभी' कहता है पूरा गांव मोदी भी हुए मुरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं न घर की महिला अगर कुछ करने को ठान ले तो किसी भी कठिन चुनौती को आसान बना देती है। जी हां आज हम आपलोगों को एक ऐसी ही महिला की कहानी बताने जा रहे हैं जो कि अब पूरे गांव में पायलट भाभ% के रूप में फेमस हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस महिला की मुरीद हो गए हैं और खुद उन्होंने इसकी कहानी बताई। पीएम मोदी ने बताया कि कैसे टेक्नोलॉजी के जरिए महिलाओं की सामाजिक हैसियत भी बदल रही है। एक निजी



चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने पायलट भाभी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि खेती के कामों में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से महिलाओं का सम्मान कैसे बढ़ रहा है मैं इसका एक उदाहरण देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं झारखंड की एक ड्रोन दीदी से बात कर रहा था। उन्होंने मुझे बताया कि उनका स्टेटस पूरी तरह बदल गया है। मैंने उनसे पूछा क्यों। उन्होंने कहा कि अब पूरा गांव उन्हें पायलट भाभी कहता है। यहां तक कि उनके देवर भी उन्हें पायलट भाभी कहते हैं।

पीएम मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बताया

पीएम नरेंद्र मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले लोग गांव में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पर पूरी तरह से भरोसा नहीं जताते थे और कहते थे कि यह गांव में सफल नहीं हो पाएगा। लेकिन अब नमो ड्रोन दीदी स्कीम ने गांव की सोच पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इस पहल के तहत ट्रेंड महिलाएं कैसे फर्टिलाइजर और कीटनाशकों का स्प्रे करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं पीएम। पीएम मोदी ने कहा कि खेती में ड्रोन एप्लीकेशन का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है और महिलाएं इसमें और अधिक रुचि दिखा रही हैं। बता दें कि नवंबर 2023 में केंद्र सरकार ने 1261 करोड़ रुपये के खर्च के साथ नमो कृष्णा स्कॉब्स को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को 15000 खेती के लिए समर्पित करना था। इस पहल में गांव की महिलाओं को फर्टिल ब्रायन और पेस्टीसाइड स्पाइडर करने के लिए ब्रेकफास्ट की ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे उन्हें और अधिक रोजगार मिलता है और खेती में सेवा देने वाली बनने में मदद मिलती है।

मणिपुर में उग्रवादियों ने फिर खेला 'खूनी' खेल

2 कारों पर की अंधाधुंध फायरिंग, दो महिलाओं समेत 4 की मौत



इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने ये जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना इंफाल-उखरुल रोड पर 'न्यू हेवन' इलाके में हुई, जब हथियारबंद उग्रवादियों ने दो चार-पहिया वाहनों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि दोनों कारों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान साफ देखे जा सकते हैं।

संघर्ष में 306 लोगों की हो चुकी है मौत

मणिपुर में, मई 2023 में घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं इस संघर्ष में 49 लोग लापता और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नागा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। इधर, मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार को संदिग्ध उग्रवादियों के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में कुकी समुदाय की एक महिला की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठन ने जिले में 48 घंटे के पूर्ण बंद का आह्वान किया है।

पीएम ने सीएम का हाथ पकड़ मेट्रो को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के नए हिस्से का किया उद्घाटन

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के 7.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड हिस्से का उद्घाटन किया। यह हिस्सा कलेना अग्रहारा से एसजी पालया तक है। इसके शुरू होने के साथ ही बेंगलुरु का चालू मेट्रो



नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंच गया है। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मेट्रो में सफर भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री शिवकुमार को अपने पास बुलाया और उनका हाथ पकड़कर अपने बगल में खड़ा किया। इसके बाद दोनों ने मिलकर मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

3470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ हिस्सा

पिंक लाइन का यह एलिवेटेड हिस्सा करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसमें छह स्टेशन शामिल हैं। ये कलेना अग्रहारा, हुलिमावु, बिलेकाहल्ली-आईआईएमबी, एनएस पालया-जेपी नगर चौथा चरण, जयादेवा अस्पताल और एसजी पालया हैं। यह कॉरिडोर बैनरघट्टा रोड के साथ बनाया गया है। जयादेवा अस्पताल स्टेशन पर यात्रियों को येलो लाइन के साथ इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। नए हिस्से पर मेट्रो सेवाएं शनिवार, 14 नवंबर से आम जनता के लिए शुरू होंगी। इससे बैनरघट्टा के लोगों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलेगी।

घाटी में हत्या के बाद आतंकियों के पोस्टर जारी

30 लाख का ईनाम, हिजबुल कमांडर पर शक

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। किश्तवाड़ पुलिस ने शुक्रवार को तीन आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। इनमें मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन शामिल हैं। पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को कुल 30 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक, तीनों आतंकियों पर एसपीओ की हत्या में शामिल होने का आरोप है। आम लोगों से उनकी गतिविधियों और ठिकानों के बारे में जानकारी देने की अपील की गई है। सूचना देने के लिए 9797900958 और 1995357494 नंबर जारी किए गए हैं। पुलिस ने सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने का भरोसा दिया है। किश्तवाड़ के दच्छन इलाके में दो एसपीओ लापता हो गए थे।



माइक्रोसॉफ्ट सिस्टम ठप, मच गया कोहराम

तीन फ्लाइट की गई रद्द, 2 लेट, यात्री रहे परेशान

ऑस्ट्रेलिया की खुफिया सर्विस-पुलिस पर असर

शिकागो (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट में तकनीकी खराबी का असर भारत की हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट ने दिल्ली से उड़ान भरने वाली 3 फ्लाइट्स रद्द कर दीं, जबकि दरभंगा और मुंबई जाने वाली 2 फ्लाइट्स लेट हुईं। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग की बैंकिंग सेवाओं, ऑस्ट्रेलिया की खुफिया सर्विस, जापान के सरकारी सिस्टम और फिलीपींस की अदालतों के कामकाज पर भी असर पड़ा है। दिल्ली एयरपोर्ट ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक करने को कहा गया है। इंडिगो और अकासा एयर ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट की जरूरी



ऑनलाइन सेवाएं करीब 15 घंटे से ठप हैं। ईमेल भेजने, ऑनलाइन मीटिंग करने और क्लाउड पर फाइल सेव करने जैसे काम रुक गए हैं।

एयर इंडिया ने कहा- उड़ानों पर असर नहीं

एयर इंडिया ने बताया कि कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस में आई दिक्कत पर नजर रख रही है। फिलहाल उसकी फ्लाइट ऑपरेशन पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी के कम्युनिकेशन चैनल भी सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों के ईमेल लगातार मिलते रहें, इसके लिए ईमेल ट्रैफिक को कुछ समय के लिए दूसरे रास्ते से भेजा जा रहा है। कंपनी अपने तय 24 घंटे के समय में ईमेल का जवाब दे रही है। अमेरिका के कई शहरों की सरकारों ने ईमेल से जुड़ी व्यापक समस्याओं की जानकारी दी और निवासियों को सलाह दी कि जरूरत पड़ने पर वे स्थानीय कार्यालयों से संपर्क करें।

पीएम फोन टेप करा रहे, मेरे मोबाइल में है सबूत

राहुल गांधी ने लगाया प्रधानमंत्री मोदी पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी का दावा है कि उनके फोन की टैपिंग कराई जा रही है। मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप पर लोकसभा में नेता विपक्ष ने अपने चैनल एक वीडियो मैसेज शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा कि उनके पास अपने सभी आरोपों को साबित करने के लिए सबूत मौजूद हैं और ये जानकारियां उनके फोन में भी हैं। राहुल गांधी ने कहा, मेरे सभी आरोपों के सबूत मेरे फोन में मौजूद हैं जिसे प्रधानमंत्री टैप करवा रहे हैं। मेरे फोन में ऐसी कई जानकारियां और सबूत हैं जो इन आरोपों को साबित कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आमने-सामने की बहस से यह भी साफ हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देशविरोधी गतिविधियों में शामिल है। राहुल गांधी के मुताबिक, उनके पास इस संबंध में कई अहम जानकारियां हैं जो उनके फोन में भी मौजूद हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आमने-सामने बैठकर बहस होती है तो कई ऐसे मुद्दों का खुलासा हो सकता है जिनके बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास ऐसे कई सबूत हैं जो उनके आरोपों को साबित कर सकते हैं। एक यूजर ने उनसे पूछा कि जब बीजेपी संसद में बहस के लिए तैयार है तो वह सार्वजनिक मंच पर बहस करने पर जोर क्यों दे रहे हैं।



भगवान कृष्ण पर टिप्पणी को लेकर छतरपुर में बवाल

यादव महासभा और धीरेंद्र शास्त्री के समर्थक आमने-सामने

छतरपुर (एजेंसी)। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कथित विवादित बयान के बाद छतरपुर में विरोध प्रदर्शन ने अब बड़ा रूप ले लिया है। यादव महासभा, ओबीसी महासभा और दामोदर यादव के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन का ऐलान करते हुए बागेश्वर धाम तक पैदल मार्च निकालने की बात कही है। इसे लेकर टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। यादव महासभा के लोग वहां जमा होने लगे हैं और दूसरी तरफ बागेश्वर बाबा के समर्थक भी वहां जमा हैं। उनके हाथों में भी लाठी-डंडे हैं। इतना ही नहीं, यादव महासभा के प्रदर्शनकारियों की ओर से बागेश्वर धाम पहुंचकर तालाबंदी करने की चेतावनी भी दी गई है। इसी ऐलान के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। बागेश्वर धाम की ओर जाने वाले मार्गों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती है। शुक्रवार को छतरपुर के रेलवे स्टेशन ग्राउंड में बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग जुटे। इस प्रदर्शन में केवल यादव समुदाय ही नहीं, बल्कि अन्य

धाम जाने वाली सड़कों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात



समाजों के लोग भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और इसी के विरोध में वे आंदोलन कर रहे हैं।

रास्तों पर पुलिस का पहरा- प्रदर्शनकारियों के बागेश्वर धाम कूच करने के ऐलान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। छतरपुर एसपी रजत सकलेचा खुद भारी पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। बागेश्वर धाम की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। धाम की ओर जाने वाले वाहनों की जांच के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया जा रहा है। इसके अलावा दूसरे जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर छतरपुर में तैनात किया गया है।

अब समर्थक और प्रदर्शनकारी आमने-सामने

इस पूरे घटनाक्रम में अब एक नया मोड़ देखने को मिल रहा है। एक तरफ रेलवे स्टेशन ग्राउंड में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा और दूसरे संगठनों के लोग बड़ी संख्या में जुटे हैं, तो दूसरी तरफ बागेश्वर धाम जाने वाले रास्ते पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थकों की मौजूदगी भी बताई जा रही है। ऐसे में दोनों पक्षों के आमने-सामने आने की आशंका को देखते हुए पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। पुलिस की कोशिश है कि प्रदर्शनकारियों और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थकों के बीच किसी भी तरह का सीधा टकराव न हो। बागेश्वर धाम जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। वहीं रास्तों पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आस्था,अध्यात्म और मानवीय आत्मीयता का अद्भुत संगम

(लेखक-ईएमएस/ विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला')

पश्चिमी घाट की प्राकृतिक छटा,भगवान सुब्रह्मण्य की दिव्य महिमा और मंदिर की सीढ़ियों पर निहारिका की निश्छल मुस्कान एवं आत्मीय सहयोग ने यात्रा को बनाया अविस्मरणीय यात्रा

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में तीर्थयात्राएँ केवल मंदिरों के दर्शन तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे इतिहास, प्रकृति, आस्था और मानवीय संवेदनाओं से साक्षात्कार कराने का माध्यम भी होती हैं। कई बार किसी यात्रा की सबसे अनमोल स्मृति वहाँ के भव्य मंदिर, प्राकृतिक दृश्य या धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अनायास मिले कुछ ऐसे लोग बन जाते हैं, जिनसे परिचय जीवनभर के लिए आत्मीय यादगार बन जाता है। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित कुक्के सुब्रह्मण्य की मेरी यात्रा भी कुछ ऐसी ही रही।इस यात्रा में भगवान सुब्रह्मण्य के दर्शन,पश्चिमी घाट की प्राकृतिक सुंदरता और मीडिया मित्रों के साथ बिताए गए आनंददायक पलों के अतिरिक्त मंदिर की सीढ़ियों पर दो युवा छात्राओं निहारिका और साक्षा से हुई मुलाकात ने इसे एक विशेष भावनात्मक पहचान दी।मीडिया के मित्रों के साथ इस धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा का उद्देश्य दक्षिण भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत, मंदिरों की स्थापत्य कला और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखना था। पश्चिमी घाट की हरी-भरी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच बसा कुक्के सुब्रह्मण्य अपनी धार्मिक महत्ता और प्राकृतिक रमणीयता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पहुँचकर मन में श्रद्धा, जिज्ञासा और प्रकृति के प्रति आकर्षण का एक साथ अनुभव होता है। भगवान सुब्रह्मण्य की पौराणिक महिमा कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है,जिन्हें दक्षिण भारत में भगवान सुब्रह्मण्य, स्कंद और कुमारस्वामी के नाम से भी पूजा जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कार्तिकेय की आराधना यहाँ नागराज वासुकि के साथ विशेष रूप से की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, तारकासुर सहित असुरों का संहार करने के बाद भगवान सुब्रह्मण्य इस क्षेत्र में आए थे। उस समय नागराज वासुकि गरुड़ के भय से यहाँ तपस्या कर रहे थे। भगवान सुब्रह्मण्य ने उन्हें अभयदान दिया और अपनी दिव्य उपस्थिति से इस स्थान को पवित्र बनाया। इसी मान्यता ने इस तीर्थस्थल को विशेष धार्मिक पहचान प्रदान की है। यह मंदिर नाग आराधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहाँ अश्लेषा बलि, सर्प संस्कार और नाग प्रतिष्ठा जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु परिवार की सुख-शांति,समृद्धि और मंगलकामना के लिए यहाँ पहुँचते हैं। मंदिर की धार्मिक परंपराएँ दक्षिण भारत की प्राचीन वैदिक मान्यताओं और लोक आस्था का सुंदर परिचय कराती हैं। भव्य गोपुरम और दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला मंदिर के निकट पहुँचते ही इसकी भव्यता मन को आकर्षित करती है। ऊँचा गोपुरम, उस पर स्थापित देवी-देवताओं की रंगीन एवं स्वर्णिम प्रतिमाएँ, नीले और हल्के रंगों से सुसज्जित स्थापत्य तथा प्रवेश द्वार के दोनों ओर स्थापित देव प्रतिमाएँ दक्षिण भारतीय मंदिर निर्माण परंपरा की विशिष्ट पहचान प्रस्तुत करती हैं। मंदिर की विशाल सीढ़ियाँ और ऊँचा ध्वजस्तंभ इसकी धार्मिक गरिमा को और बढ़ाते हैं। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही पूजा-अर्चना, मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की भक्ति से वातावरण आध्यात्मिक हो उठता है। भगवान के दर्शन के दौरान मन में सहज ही श्रद्धा और शांति का भाव उत्पन्न होता है। मंदिर की भव्यता केवल उसकी स्थापत्य कला में नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही आस्था और परंपरा में भी दिखाई देती है। मंदिर की सीढ़ियों पर मिली अनमोल मित्रता - निहारिका की आत्मीयता ने बनाया सफर यादगार इस यात्रा का सबसे आत्मीय, रोचक और अविस्मरणीय प्रसंग मंदिर की सीढ़ियों पर घटित हुआ। मीडिया के मित्रों के साथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान मेरी नजर दो युवा छात्राओं पर पड़ी। वे स्थानीय निवासी निहारिका और उनकी सहेली साक्षा थीं। दोनों छात्राएँ थीं और संभवतः मंदिर की सीढ़ियाँ चढ़ने तथा दर्शन के बाद की थकान महसूस करते हुए कुछ देर विश्राम कर रही थीं। मेरे स्वभाव में लोगों से सहज परिचय स्थापित करना और उनके अनुभव जानना हमेशा से शामिल रहा है। पत्रकारिता के लंबे अनुभव ने मुझे यह सिखाया है कि समाज को समझने के लिए केवल घटनाओं को देखना पर्याप्त नहीं, बल्कि लोगों से मिलना, उनसे संवाद करना और उनकी भावनाओं को समझना भी जरूरी है। इसी सहज प्रवृत्ति के चलते मैंने स्वयं आगे बढ़कर दोनों छात्राओं से परिचय करने की पहल की। हालाँकि मन में एक आशंका भी थी। दोनों छात्रा अहिंदीभाषी थीं। ऐसे में हिंदी में संवाद हो पाएगा मुझे कतई उम्मीद नहीं थी कि मेरा यह छोटा-सा प्रयास इतनी आत्मीय सफलता में बदल जाएगा लेकिन मेरी आशंका के विपरीत निहारिका ने जिस सहजता, सहर्षता और आत्मीय मुस्कान के साथ मेरे परिचय का प्रत्युत्तर दिया, उसने सचमुच मन जीत लिया। भाषा की सीमा और अपरिचय की झिझक को पीछे छोड़ते हुए उसने बातचीत में जिस सहयोग और अपनत्व का परिचय दिया, वह मेरे लिए अप्रत्याशित सुखद अनुभव था। मेरी परिचय की पहल को उसने महज औपचारिकता नहीं रहने दिया, बल्कि अपनी सहज स्वीकृति और सहयोग से उसे एक सुंदर स्मृति में बदल दिया। तस्वीर खिंचवाने के मेरे आग्रह को भी उसने सहर्ष स्वीकार किया। उसके चेहरे की निश्छल मुस्कान और सहज भाव-भंगिमा ने उस पल को मेरी यात्रा का एक स्वर्णिम चित्र बना दिया। उसकी सहेली साक्षा स्वभाव से कुछ संकोची थीं। भाषा की सहजता न होने के कारण उन्होंने तस्वीर खिंचवाने में रुचि नहीं दिखाई। मैंने भी उनके संकोच का पूरा सम्मान किया। भले ही साक्षा तस्वीर में शामिल नहीं हुईं, लेकिन इस आत्मीय मुलाकात में उनकी उपस्थिति भी मेरी स्मृतियों का हिस्सा बनी रही। किसी के संकोच का सम्मान करना भी आत्मीय व्यवहार का ही एक महत्वपूर्ण पक्ष है। निहारिका की सहर्षता और सहयोग ने मुझे यह अनुभूति कराई कि आत्मीयता के लिए भाषा का ज्ञान या पहले से परिचित होना आवश्यक नहीं है। कभी-कभी किसी अनजान व्यक्ति की एक मुस्कान, सहज स्वीकृति और सहयोग मन में ऐसी जगह बना लेते हैं, जिसे समय भी धुँधला नहीं कर पाता। एक पत्रकार के रूप में जीवन में अनेक लोगों से मुलाकात हुई है, लेकिन मंदिर की सीढ़ियों पर निहारिका और साक्षा से हुई यह अनपेक्षित मुलाकात इसलिए विशेष बन गई कि इसने मेरी यात्रा को केवल धार्मिक दर्शन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसमें मानवीय संवेदना और मित्रता का एक सुंदर अध्याय जोड़ दिया। आज जब उस यात्रा की तस्वीरों को देखता हूँ तो मंदिर का भव्य गोपुरम और स्थापत्य कला ही नहीं, निहारिका की वह निश्छल मुस्कान और परिचय के प्रति उसका उत्साह भी आँखों के सामने जीवंत हो उठता है। कुछ पल की मुलाकात कभी-कभी वर्षों की स्मृतियों पर भारी पड़ जाती है। निहारिका का यह सहज सहयोग मेरे लिए ऐसा ही एक स्वर्णिम पल है, जिसे मैं अपनी कुक्के सुब्रह्मण्य यात्रा की अनमोल उपलब्धियों में सदैव संजोकर रखना चाहूँगा। कुमारधारा नदी और पश्चिमी घाट का प्राकृतिक आकर्षण कुक्के सुब्रह्मण्य की यात्रा में कुमारधारा नदी और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता का विशेष महत्व है। पश्चिमी घाट की पहाड़ियों, घने जंगलों और हरियाली से घिरा यह क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों को भी आकर्षित करता है। श्रद्धालु कुमारधारा नदी में स्नान को धार्मिक दृष्टि से पवित्र मानते हैं। नदी के प्रवाह और आसपास के शांत वातावरण में कुछ समय बिताना मन को एक अलग प्रकार की शांति प्रदान करता है। प्रकृति की गोद में बसा यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के साथ पर्यावरणीय सौंदर्य का भी अनुपम उदाहरण है। निकटवर्ती कुमार पर्वत पर्वतारोहण के शौकीनों के लिए विशेष आकर्षण रखता है। इसके अतिरिक्त बिलद्वार गुफा का भी पौराणिक महत्व बताया जाता है। आसपास के वन क्षेत्र, पहाड़ी रास्ते और प्राकृतिक दृश्य इस यात्रा को और रोचक बनाते हैं। जो पर्यटक धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति का आनंद लेना चाहते हैं, उनके लिए कुक्के सुब्रह्मण्य और आसपास का क्षेत्र विशेष अनुभव प्रदान करता है। यात्रा की उपयोगी जानकारी कुक्के सुब्रह्मण्य कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित है। मंगलुरु इसका निकटतम प्रमुख हवाई संपर्क केंद्र है। सुब्रह्मण्य रोड रेलवे स्टेशन से मंदिर तक सड़क मार्ग द्वारा पहुँचा जा सकता है। बेंगलुरु और मंगलुरु से सड़क परिवहन की सुविधा उपलब्ध है। धार्मिक पर्वों और विशेष पूजा के अवसरों पर यहाँ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए यात्रा से पहले आवास, परिवहन और दर्शन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी लेना उपयोगी रहता है। यात्रा का वास्तविक आनंद - आस्था के साथ आत्मीयता कुक्के सुब्रह्मण्य की इस यात्रा ने मुझे एक बार फिर यह महसूस कराया कि भारत की सांस्कृतिक विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। अलग-अलग भाषाएँ, वेशभूषाएँ, परंपराएँ और जीवनशैलियाँ होने के बावजूद हमारी भावनाओं और मानवीय संवेदनाओं में अद्भुत समानता है। भगवान सुब्रह्मण्य के मंदिर में दर्शन से मिली आध्यात्मिक अनुभूति अपनी जगह महत्वपूर्ण रही, लेकिन निहारिका की आत्मीयता, उसका सहज सहयोग और साक्षा की सरल उपस्थिति ने इस यात्रा को एक व्यक्तिगत और भावनात्मक पहचान दे दी। मंदिर के भव्य गोपुरम के सामने खिंचवाई गई तस्वीर, विशाल सीढ़ियों पर बिताए गए पल और उन दोनों छात्राओं के साथ हुआ सहज संवाद आज भी स्मृतियों में ताजा हैं। निहारिका की मुस्कान उस तस्वीर के साथ ही नहीं, बल्कि मन की स्मृतियों में भी सुरक्षित है। साक्षा भले ही तस्वीर में नहीं आईं, लेकिन उनकी संकोची उपस्थिति भी इस मुलाकात की कहानी का अभिन्न हिस्सा है। यही तो यात्राओं की असली खूबसूरती है।

हम किसी स्थान को देखने जाते हैं, लेकिन लौटते समय वहाँ से कुछ अनमोल रिश्तों और आत्मीय अनुभवों की सौगात लेकर आते हैं। निस्संदेह, कुक्के सुब्रह्मण्य मेरे लिए केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं रही। यह आस्था, अध्यात्म, प्रकृति और मानवीय मित्रता का ऐसा संगम बन गई, जिसकी स्मृतियाँ लंबे समय तक मन को आनंदित करती रहेंगी। भगवान सुब्रह्मण्य के दर्शन का आध्यात्मिक अनुभव, मीडिया मित्रों के साथ बिताए गए आनंददायक क्षण और मंदिर की सीढ़ियों पर निहारिका की सहर्षता से मिली आत्मीयता इस यात्रा की सबसे अनमोल उपलब्धियाँ हैं। सच है, तीर्थयात्रा में हम भगवान के दर्शन करने जाते हैं, लेकिन कई बार लौटते समय ईश्वर की बनाई दुनिया में इंसानियत,अपनापन और मित्रता के ऐसे सुंदर दर्शन भी साथ लेकर आते हैं, जो जीवनभर हमारे हृदय में उजाला करते रहते हैं।

संपादकीय

फिर दहशत की दस्तक

भारत विरोध को प्राणवायु बनाने वाले पाकिस्तान पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता कि वह भारत पर घात का कोई मौका चूकेगा। पाक प्रायोजित आतंक का चेहरा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में उजागर हुआ है। किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों यानी एसपीओ की हत्या और कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की पोस्ट पर हमले की हालिया घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। करीब चौबीस घंटे के भीतर हुई ये घटनाएं बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर याद दिलाती हैं कि सामान्य स्थिति और स्थायी शांति के दावों से इतर इलाके में आतंकवाद के रक्तबीज मौजूद हैं। दुखद ही है कि लापता होने के एक दिन बाद दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों के गोलियों से छलनी शव बरामद हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सीआरपीएफ की चेकपोस्ट पर हुए हमले में तीन जवान घायल हुए हैं। निस्संदेह,यह हमारी खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिये नई चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इससे ठीक एक साल पहले राजधानी में लाल किले के पास एक कार धमाके में ग्यारह लोगों की जान चली गई थी। कालांतर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनएआई की व्यापक जांच के बाद पता चला था कि विस्फोट की घटना में जम्मू-कश्मीर स्थित पुलवामा के एक डॉक्टर की मुख्य भूमिका रही थी। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी हमलों की सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने केंद्र सरकार के उस दावे पर सवाल उठाये हैं, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे वक्त बयानबाजी से आगे बढ़कर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने, सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि स्थानीय समुदायों की चिंता पर विशेष ध्यान दिया जाए। निस्संदेह, आज के आधुनिक उन्नत तकनीक के युग में आतंकवाद से लड़ाई के लिये तमाम विकल्प सुरक्षा बलों के पास मौजूद हैं। लेकिन स्थानीय समाज में घुल-मिल कर रहने वाले आतंकियों तक पहुंच बनाने के लिये लोकल संपर्क सूत्रों की बड़ी भूमिका होती है। कोई भी केंद्रीय सत्ता स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने में असहजता महसूस करेगी। पाकिस्तानी सीमा से लगने वाले दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे बिना किसी भय व दबाव के सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग करें। निस्संदेह, आतंकवाद को हराने के लिये उनकी सुरक्षा, उनका भरोसा और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाये रखने के लिये कानून-व्यवस्था व शांति बनाये रखना बेहद जरूरी है। जैसा कि हमने देखा था कि अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी की आर्थिकी को भारी चोट पहुंची थी। जो अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी। देश के विभिन्न भागों व विदेशों से आने वाले पर्यटक बर्फबारी का आनंद लेने लौटने लगे थे। निर्विवाद रूप से किश्तवाड़ जैसे इलाकों में पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले आतंकी हमले व हिंसा पर्यटकों को दूर रख सकती है। इससे विकास की गति बाधित होती है और स्थानीय लोगों की आजीविका संकट में पड़ जाती है। भले ही अभी तक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा न मिल पाया हो, लेकिन इसके बावजूद घाटी के लोगों का भरोसा हासिल करना बेहद जरूरी है।

वंदे भारत से जुड़ेगी दक्षिण भारत की विकास यात्रा, पर्यटन और अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

(लेखक- विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला')

बेंगलुरु से मंगलुरु और गोवा तक आधुनिक रेल संपर्क का विस्तार; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, 15 नवंबर से शुरू होगा नियमित परिचालन

भारत में रेलवे केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, आर्थिक प्रगति, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। जब किसी नई रेल सेवा का विस्तार देश के प्रमुख महानगरों, समुद्रतटीय क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों को जोड़ता है, तब उसका महत्व केवल यात्रियों की सुविधा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह क्षेत्रीय विकास की नई संभावनाओं के द्वार भी खोलता है। इसी दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 नवंबर 2026 को यशवंतपुर-मडगाँव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाना दक्षिण भारत की रेल कनेक्टिविटी के इतिहास में महत्वपूर्ण कदम है। नई वंदे भारत एक्सप्रेस बेंगलुरु, तटीय कर्नाटक और गोवा के बीच आधुनिक रेल संपर्क को मजबूत करेगी। इस सेवा से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु का सीधा जुड़ाव गोवा के मडगाँव से होगा। इसके मार्ग में हासन, सकलेशपुर, सुब्रह्मण्य रोड, मंगलुरु, उडुपी, कुंडापुरा, मुरुडेश्वर, गोकर्ण और कारवार जैसे महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। ये सभी क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था, समुद्री तटों, ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध हैं। इस प्रकार यह रेल सेवा एक साथ महानगरीय जीवन,धार्मिक पर्यटन, समुद्रतटीय आकर्षण और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को जोड़ने का काम करेगी।दक्षिण पश्चिम रेलवे के अनुसार, 13 नवंबर को दो उद्घाटन विशेष रेल सेवाओं के संचालन के बाद 15 नवंबर से इस वंदे भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन प्रारंभ होगा। यह सेवा उन यात्रियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो सकती है, जिन्हें बेंगलुरु से मंगलुरु और गोवा तक सुविधाजनक तथा आधुनिक रेल यात्रा की आवश्यकता है। व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार और पर्यटन के उद्देश्य से इन क्षेत्रों के बीच आवागमन करने वाले लोगों को इससे बेहतर विकल्प मिलेगा। वंदे भारत एक्सप्रेस भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक बन चुकी है। आधुनिक सुविधाओं, बेहतर यात्री अनुभव और समयबद्ध परिचालन की परिकल्पना के साथ विकसित यह रेल सेवा देश में रेल यात्रा की बदलती तस्वीर प्रस्तुत करती है। इसका विस्तार यह भी दर्शाता है कि रेलवे की विकास योजनाओं में अब केवल बड़े शहरों को ही नहीं, बल्कि छोटे नगरों, धार्मिक केंद्रों और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इस परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इसके साथ रेलवे की अन्य आधारभूत संरचना संबंधी उपलब्धियों को भी रेखांकित किया गया है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार ने बागलकोट-वंदाल रेल खंड की दोहरीकरण परियोजना के समर्पण तथा सकलेशपुर-सुब्रह्मण्य रोड मार्ग के विद्युतीकरण का उल्लेख किया। रेल दोहरीकरण से परिचालन क्षमता बढ़ाने, ट्रेनों की आवाजाही को अधिक सुगम बनाने और भविष्य में यात्री तथा माल परिवहन की मांग को पूरा करने में सहायता मिलती है। वहीं विद्युतीकरण से डीजल पर निर्भरता कम करने, ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक योगदान की उम्मीद है। कर्नाटक का पश्चिमी तटीय क्षेत्र प्राकृतिक संपदा और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। मंगलुरु का समुद्री व्यापार, उडुपी की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान, मुरुडेश्वर का प्रसिद्ध शिव मंदिर, गोकर्ण के पवित्र समुद्रतट और कारवार की प्राकृतिक सुंदरता देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती है। दूसरी ओर गोवा अपनी समुद्री संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और पर्यटन उद्योग के लिए विश्वविख्यात है। बेंगलुरु जैसे तकनीकी और व्यावसायिक महानगर से इन क्षेत्रों का सीधा रेल संपर्क पर्यटन को नई गति दे सकता है। विशेष रूप से धार्मिक पर्यटन के संदर्भ में सुब्रह्मण्य रोड स्टेशन का महत्व उल्लेखनीय है। यहाँ से प्रसिद्ध कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर तक पहुँचना यात्रियों के लिए सुविधाजनक हो सकता है। भगवान सुब्रह्मण्य को समर्पित यह मंदिर दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक तीर्थस्थलों में गिना जाता है। नाग पूजा और आध्यात्मिक परंपराओं के कारण इसकी विशिष्ट पहचान है। नई रेल सेवा से श्रद्धालुओं को बेंगलुरु और अन्य क्षेत्रों से इस तीर्थस्थल तक पहुँचने के लिए बेहतर परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। इसी प्रकार मंगलुरु और उडुपी के धार्मिक स्थलों के साथ समुद्रतटीय पर्यटन को भी लाभ मिल सकता है।रेल संपर्क में सुधार का सीधा संबंध स्थानीय अर्थव्यवस्था से भी है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने पर होटल, परिवहन, रेस्तराँ, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यापार और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन मिलता है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं और स्थानीय समुदायों की आय में वृद्धि हो सकती है। बेहतर रेल संपर्क से व्यापारियों और व्यवसायियों को भी लाभ होगा। इस प्रकार वंदे भारत केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने वाली रेलगाड़ी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला विकास का माध्यम बन सकती है।इस अवसर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी हरीश द्विवेदी ने केंद्र सरकार की आधारभूत संरचना विकास संबंधी पहलों की सराहना की। उन्होंने बेंगलुरु मेट्रो के सात किलोमीटर लंबे नए खंड के उद्घाटन का भी उल्लेख किया, जिससे शहर का कुल मेट्रो नेटवर्क लगभग 100 किलोमीटर तक पहुँचने की बात कही गई। यह संकेत है कि सड़क, रेल और शहरी परिवहन के विभिन्न माध्यमों का समन्वित विकास आधुनिक शहरों और क्षेत्रों की जरूरत बन चुका है। हालाँकि किसी भी नई रेल सेवा की वास्तविक सफलता केवल उद्घाटन समारोह या आधुनिक सुविधाओं से नहीं, बल्कि नियमित परिचालन, समयपालन, यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाजनक टिकट उपलब्धता से निर्धारित होती है। इसलिए आवश्यक है कि इस सेवा का संचालन यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप हो और मार्ग के सभी प्रमुख स्टेशनों पर बेहतर यात्री सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। निस्संदेह, यशवंतपुर-मडगाँव वंदे भारत एक्सप्रेस दक्षिण भारत के विकास मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है। यह बेंगलुरु की आर्थिक ऊर्जा, कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत और गोवा के पर्यटन आकर्षण को एक आधुनिक रेल संपर्क में पिरोती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में उठाया गया यह कदम तभी पूर्ण सार्थकता प्राप्त करेगा, जब इसका लाभ आम यात्रियों, स्थानीय व्यापारियों, श्रद्धालुओं, पर्यटकों और युवाओं तक पहुँचेगा।आधुनिक रेल संपर्क की यही परिकल्पना विकसित भारत की उस यात्रा को गति देती है, जिसमें कनेक्टिविटी ही समृद्धि, अवसर और राष्ट्रीय एकात्मता का आधार बनती है।

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला' स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार,



संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है।

दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्यं को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं।

जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है।

वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

विचार मंथन

महंगाई और मुनाफाखोरी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

लेखक- सनत जैन

भारत में पिछले दस महीनों से महंगाई लगातार बढ़ रही है। खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि ने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई सितंबर में 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो गई। यह भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित 2 से 6 प्रतिशत की सीमा से भी ऊपर है। जनवरी 2026 से महंगाई में लगातार हो रही वृद्धि ने आम परिवारों की आर्थिक चिंता बढ़ा दी है। महंगाई के साथ बाजार में मुनाफाखोरी का खेल भी तेजी से बढ़ रहा है। पैक्ड वस्तुओं पर एमआरपी का ऐसा खेल चल रहा है, जिसमें कंपनियां कीमतें बढ़ाने के साथ वस्तुओं का वजन और मात्रा भी कम कर रही हैं। यानी उपभोक्ता को अधिक कीमत चुकाने के बावजूद पहले से कम सामान मिल रहा है। दुकानदारों और एफएमसीजी कंपनियों की यह दोहरी मार आम आदमी की जेब पर भारी पड़ रही है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि का असर हर क्षेत्र पर पड़ता है। दूध, दही, घी, मक्खन, तेल, आटा, चावल और दाल जैसी जरूरी वस्तुएं लगातार महंगी हो रही हैं।

आश्चर्य की बात है कि ठंड के मौसम में भी दुग्ध उत्पादक कंपनियों ने दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। साबुन और डिटर्जेंट से लेकर सिगरेट तक की कीमतों में वृद्धि हुई है। होटल और रेस्टोरेंट में भोजन एवं नाश्ते के दाम 5 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। कच्चे माल, पैकेजिंग और परिवहन की बढ़ती लागत का बोझ भी उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है, महंगाई के अनुपात में लोगों की आमदनी नहीं बढ़ रही है। 2019 के बाद घरेलू खर्च लगातार बढ़े हैं, लेकिन वेतन में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई। दूसरी ओर बेरोजगारी और छंटनी का संकट भी बढ़ रहा है। जिनके पास रोजगार है, उनकी वास्तविक क्रयशक्ति घटती जा रही है। बाजार में एक बार कीमतें बढ़ने के बाद कच्चे तेल जैसी वस्तुओं के दाम घटने पर भी पेट्रोलियम कंपनियां उपभोक्ताओं को राहत नहीं देतीं। चीनी, तेल, दाल और चावल की कीमतें इसका उदाहरण हैं। पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाकर बिक्री की जा रही है। कर्नाटक में जांच के दौरान कुछ नमूनों में 30 से 32 प्रतिशत एथेनॉल पाए जाने की बात सामने आई है। ऐसे मामलों में पारदर्शी जांच जरूरी है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में लगभग 72 रुपये की वृद्धि और छोटे घरेलू सिलेंडरों से जुड़े अतिरिक्त खर्च ने भी आम लोगों की परेशानी बढ़ाई है। हवाई और रेल यात्रा भी महंगी होती जा रही है। बाजार में कंपनियों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, जबकि सरकार की भूमिका केवल आंकड़े जारी करने तक सीमित दिखाई देती है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों, कंपनियों के मुनाफे और उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली की जांच होनी चाहिए। जमाखोरी, कालाबाजारी और अनुचित व्यापारिक गतिविधियों पर सख्त निगरानी जरूरी है।

1974-75 की महंगाई और आर्थिक परेशानियों को याद करने वाले लोग आज की परिस्थितियों में समानताएं देख रहे हैं। उस समय भी महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता का असंतोष आंदोलनों में बदला था। आज परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होने पर जनता का असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीब और निम्न मध्यम वर्ग पर पड़ रही है।

मध्यम वर्ग खर्चों में कटौती कर किसी तरह परिवार चला रहा है, जबकि गरीब परिवार के लिए दूध, तेल, आटा, चावल और दाल खरीदना भी चुनौती बनता जा रहा है। महंगे इलाज, शिक्षा, कर

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैंक ऑफ बड़ौदा की गोल्डन गोल एफडी पर बंपर रिटर्न

मुंबई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 555 दिनों वाली गोल्डन गोल डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद, सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 6.85 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.35 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन्स को 7.45 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह स्कीम विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो अपनी बचत को सुरक्षित रखते हुए बेहतर रिटर्न चाहते हैं। इसमें मात्र 1,000 रुपये से निवेश शुरू किया जा सकता है। निवेशक बैंक ऑफ बड़ौदा के बीओबी वर्ल्ड मोबाइल ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर आसानी से एफडी खुलवा सकते हैं। यह बदलाव निवेशकों को बेहतर कमाई का मौका देता है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा।

एमके संस में मनुजा श्रॉफ का 26 करोड़ का बड़ा निवेश

नई दिल्ली ।

मशहूर निवेशक मनुजा गौतम श्रॉफ ने हाल ही में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स में बड़ा निवेश किया है। उन्होंने खुले बाजार से लगभग 26 करोड़ रुपये के 15.44 लाख शेयर खरीदे हैं, जिससे बाजार में कंपनी के प्रति विश्वास बढ़ा है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, श्रॉफ ने चार नवंबर को कंपनी की लिस्टिंग के दिन 169.04 रुपये के औसत भाव पर 4.33 लाख से अधिक शेयर (7.32 करोड़ रुपये) खरीदे। इसके बाद, उन्होंने 12 नवंबर को 166.69 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर 11.11 लाख से अधिक शेयर (18.52 करोड़ रुपये) खरीदे। इन दोनों सौदों को मिलाकर, उन्होंने कुल 15.44 लाख शेयर 25.85 करोड़ रुपये में हासिल किए। वर्ष 2012 में स्थापित एमके संस फाइन ज्वेल्स आभूषण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में है। कंपनी के मुंबई और अहमदाबाद में कुल पांच शोरूम हैं।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का 456 करोड़ का आईपीओ 18 नवंबर को

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का 456 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की शुक्रवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, तीन दिन का यह निर्गम 20 नवंबर को बंद होगा। बड़े निवेशक 17 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 101 करोड़ रुपये तक के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनी सैफायर क्रॉप साइंस द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और रणनीतिक पहलों के वित्तपोषण तथा सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। वर्ष 1994 में स्थापित क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन फसल समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। इसके उत्पादों में कृषि रसायन और बीज प्रमुख हैं।कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ में इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण किया

स्मार्ट मीटरिंग में मजबूत हुई पैठ एनआईआईएफ और ईईएसएल से हुई डील

नई दिल्ली ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण सौदे से अदाणी समूह की कंपनी स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद वैकल्पिक परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। इंटेलिस्मार्ट बिजली के लिए उन्नत मीटरिंग बुनियादी ढांचा (एएमआई) उपलब्ध कराती है और कुछ स्मार्ट गैस मीटर भी स्थापित करती है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 30 अक्टूबर को इस अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे पहले जून में एईएसएल ने अधिग्रहण समझौते की घोषणा की थी। एनआईआईएफ भारत का संप्रभु समर्थित वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जबकि ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है।

बिकवाली के दबाब से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 81,300, निफ्टी 25,100.85 के स्तर पर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते 10 दिनों की हरियाली के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बिकवाली का जोर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी टूट गए। सेंसेक्स 537.56 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.45 के स्तर पर पहुंच गया। यह 0.65 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल निशान में रहा। निफ्टी 198.50 अंक टूटकर 25,100.85 के स्तर पर आ गया। यह सूचकांक में 0.78 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। बाजार खुलने के दौरान निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। शेयर बाजार में शुरुआत कारोबार में निफ्टी 50 में सिप्ला, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज लैब्स, मैक्स हेल्थकेयर और एसबीआई सबसे ज े यादा बढ़ने वाले शेयर हैं। वहीं टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, जियो फाइनेंशियल और एटीएमपीवी शेयर शामिल हैं।



निफ्टी 50 में शामिल आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई में जोरदार गिरावट आई है।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 1,583.80 रुपये पर कारोबार कर रहा है। बजाज फाइनेंस का शेयर 0.33 फीसदी टूटकर 1,111.35 रुपये और एचडीएफसी बैंक 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 801.60 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

रुपया सात पैसे चढ़कर 94.05 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ सात पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर निवेश, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अनुकूल बाहरी माहौल से रुपये में सकारात्मक रुझान दिख रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 94.07 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 94.05 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.15 पर रहा।

जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी चिप मेकिंग कंपनी एनवीडिया पिछले कुछ दिनों से अपने सीईओ से जुड़े विवादों के चलते काफी सुर्खियों में थी।

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े मामले की खबरें जैसे ही बाहर आईं, भूचाल मच गया। जेनसन इन विवादों में आए और विवादों को बढ़ता हुआ देख उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन के पद से इस्तीफा देते ही इसका असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत में और गिरावट दर्ज की गई, और शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 14 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, बाद में गिरावट कुछ कम हुई और शेयर करीब 11.5 फीसदी नीचे कारोबार करने लगे।

यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गई, जिन्होंने बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत पर करीब से नजर रखी। पिछले कुछ दिनों से एनवीडिया के शेयर लगातार दबाव में थे। सीईओ से जुड़े विवादों और अन्य आरोपों के कारण कंपनी के शेयरों पर इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा था। अब इस गिरावट के कारण कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची से नीचे खिसक गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एक बड़े विवाद के कारण कंपनी की पूरी वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कंपनी ने जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर की पुष्टि स्वयं की है।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्रॉड का खतरा,बैंक हुए सख्त

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने की कवायद तेज, ग्राहकों का पैसा बचाने पर जोर

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल



धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई की को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं ।

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट रिपोर्ट

टर्मिनल रेट 6 फीसदी पर स्थिर होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि लगातार कई बार ब्याज दरें बढ़ाने की पहले की उम्मीदें अब खारिज हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी 50-50 संभावना है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को रहेंगी बाधित

नई दिल्ली ।



एचडीएफसी बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक अहम सूचना जारी की है। बैंक की नेटबैंकिंग और मोबाइल ऐप सहित कई डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को तड़के 2:30 बजे से सुबह 6:30 बजे तक, यानी चार घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रोक जरूरी सिस्टम मेंटेनेंस के कारण लगाई गई है। इस अवधि के दौरान ग्राहक फंड ट्रांसफर, ऑनलाइन भुगतान और खाते से जुड़ी कई डिजिटल सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे। बैंक के अनुसार यह मेंटेनेंस डिजिटल सेवाओं की दक्षता और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि यूपीआई और जेडएपीपी से संबंधित सेवाएं इस दौरान भी जारी रहेंगी। ऐसे में जिन्हें तुरंत भुगतान करना हो, वे इन सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

देशभर के बैंक 14 और 15 नवंबर को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना पर फिर से विचार कर लें। 13 नवंबर को भले ही कुछ राज्यों में बैंक खुले हैं, लेकिन आने वाले दिनों में छुट्टियों की लंबी कतार है। खासकर, अगले दो दिन यानी 14 और 15 नवंबर को देशभर के बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 13 नवंबर शुक्रवार को सिर्फ मेघालय में वांगाला फेस्टिवल के कारण बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। यह गारो समुदाय का प्रमुख 100 ड्रम फेस्टिवल है। हालांकि, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में बैंक खुले हैं। बैंक ग्राहकों को विशेष ध्यान देना चाहिए कि 14 नवंबर को महीने का दूसरा शनिवार है, जिसके कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके ठीक बाद 15 नवंबर को रविवार है, जिससे बैंक लगातार दो दिन अवकाश पर रहेंगे। ऐसे में चेक जमा करने, दस्तावेज जमा कराने या ब्रांच से जुड़े किसी भी जरूरी काम के लिए आज का दिन एक अच्छा मौका है। नवंबर में छुट्टियों का सिलसिला यहीं नहीं थमता। 16 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर बिहार और झारखंड में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा, 20 नवंबर को उत्तराखंड में इगास-बग्वाल, 23 नवंबर को मेघालय में सेंग कुट स्नेम, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के कारण कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

27 नवंबर को कर्नाटक में कनकदास जयंती के चलते भी बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। इसलिए बैंक जाने से पहले छुट्टियों की पूरी जानकारी अवश्य जुटा लें।

एनवीडिया में जेनसन हुआंग ने छोड़ा सीईओ पद, कॉलेट क्रेस बनीं अंतरिम प्रमुख

कंपनी ने स्थायी सीईओ की तलाश तक क्रेस को सौंपी कमान

वाशिंगटन ।

तकनीकी दिग्गज एनवीडिया में एक बड़े नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हुई है। लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे सीईओ जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक अंग्रेजी समाचार पत्र की रिपोर्ट के बाद उठे विवादों के बाद यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने तुरंत प्रभाव से अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी है।

रिपोर्ट में जेनसन हुआंग के विवादों से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद से ही तकनीकी गलियारों में एनवीडिया को लेकर चर्चा तेज हो गई थी।

यह मामला कई हफ्तों तक बढ़ता रहा, जिस पर कंपनी ने शुरुआत में अपने सीईओ पर पूरा भरोसा जताया था। हालांकि, विवादों के लगातार गहराते देख, जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एनवीडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि कंपनी एक स्थायी सीईओ की तलाश करेगी, जो इसके भविष्य के विकास का नेतृत्व कर सके। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के तुरंत बाद, एनवीडिया ने कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की क्रेस, जो सितंबर 2013 से कंपनी की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्यरत हैं, अब यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके पास सिस्को और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में फाइनेंस से जुड़े अहम पदों पर काम करने का 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है।

पदभार संभालने के बाद कॉलेट क्रेस ने कहा कि वह जेनसन हुआंग द्वारा पिछले 33 वर्षों में बनाई गई मजबूत नींव पर आगे काम करेंगी। उन्होंने एनवीडिया के कर्मचारियों को कंपनी की असली ताकत बताया और कहा कि पूरी टीम मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाएगी।

केंद्र के बाद राज्यों ने भी बढ़ाया महंगाई भत्ता

कई राज्यों ने भी घोषणा की, पर बकाया एरियर के भुगतान को लेकर अलग-अलग रास्ते

नई दिल्ली ।

दिवाली और छठ से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। महंगाई भत्ते (डीए) में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद, अब यह 60 से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। इस फैसले के तुरंत बाद, विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर त्योहारों की खुशी दोगुनी कर दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी गई है, जिससे देश भर में करीब 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा।

केंद्र सरकार के इस कदम से सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि बढ़े हुए डीए के साथ पिछले महीनों का बकाया पैसा, यानी एरियर, उन्हें कब और किस प्रकार मिलेगा। इस संबंध में राज्य सरकारों के बीच अलग-अलग नीतियां देखने को मिल रही हैं। एरियर भुगतान पर राज्यों की भिन्न रणनीतियाँ- एरियर भुगतान के तरीके को लेकर राज्यों में विविधता है। उदाहरण के लिए अरुणाचल प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ पैसा नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों के बैंक खातों में नकद जमा किया जाएगा। उत्तराखंड डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, जुलाई से 31 अक्टूबर तक का बकाया पैसा कर्मचारियों को नकद दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी हुआ है। अक्टूबर का बढ़ा हुआ डीए नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से सितंबर तक के बकाया पैसे को कर्मचारियों के पीएफ खातों में जमा करने की बात कही गई है। पंजाब- सरकार ने डीए 3 बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया है, जो 1 नवंबर, 2023 से प्रभावी है और दिसंबर के वेतन के साथ मिलेगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल ने डीए में 2 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

मलेशिया का भारत,चीन से सीधी उड़ानें बढ़ाने पर जोर

सरकार ने 2027 के बजट में 93.5 करोड़ रिंगित आवंटित किए

कुआलालंपुर ।

मलेशिया ने भारत, चीन और मध्य एशिया जैसे प्रमुख बाजारों से सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। सरकार अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ानों को प्रोत्साहन अनुदान देकर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है। मलेशिया के उप परिवहन मंत्री दातुक हाजी हस्बी बिन हाजी हबीबुल्लाह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि 2027 के बजट में पर्यटन, संस्कृति और कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए गए हैं। यह अनुदान अंतरराष्ट्रीय और चार्टर विमानन कंपनियों को चीन, भारत और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों से सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मलेशिया भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है; इस साल जनवरी-अगस्त में 9.6 लाख भारतीय पर्यटक आए।

अनुदान का दायरा अब क्रूज जहाजों, फेरी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लाने वाली टूर बसों को भी शामिल करने के लिए बढ़ाया गया है। मलेशिया एयरलाइंस, एयर इंडिया और इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां वर्तमान में मलेशिया और भारत के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



बालदिवस

नेहरू जी का बाल प्रेम



चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरू जी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था।

जब पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री थे और तीन मूर्ति भवन उनका सरकारी निवास था। एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में लगे पेड़-पौधों के बीच से गुजरते हुए घुमावदार रास्ते पर नेहरू जी टहल रहे थे और पौधों पर छाई बहार देखकर खुशी से निहाल हो ही रहे थे, तभी उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। नेहरू जी ने आसपास देखा तो उन्हें पेड़ों के बीच एक-दो माह का बच्चा दिखाई दिया, जो दहाड़ मारकर रो रहा था। नेहरू जी ने मन ही मन सोचा- इसकी मां कहां होगी? उन्होंने इधर-उधर देखा। वह कहीं भी नजर नहीं आ रही थी। चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरूजी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं,तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू जी तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुजर रहे थे वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडितजी को देखने के लिए डोल रहे हो। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतर कर वे गुब्बारे खरीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का सा रह गया। नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे खरीदवाएं और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरूजी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे, बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज आवाज से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया। तभी से वे चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाते हैं

14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होता है। इसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि उन्हें बच्चों से बहुत प्यार था और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू पुकारते थे। बाल दिवस बच्चों को समर्पित भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है। देश की आजादी में भी नेहरू का बड़ा योगदान था। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश का उचित मार्गदर्शन किया था। बाल दिवस बच्चों के लिए महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन स्कूली बच्चे बहुत खुश दिखाई देते हैं। वे सज-धज कर विद्यालय जाते हैं। विद्यालयों में बच्चे विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। वे अपने चाचा नेहरू को प्रेम से स्मरण करते हैं। बाल मेले में बच्चे अपनी बनाई हुई वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाते हैं। इसमें बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। नृत्य, गान, नाटक आदि प्रस्तुत किए जाते हैं। नुक्कड़ नाटकों के द्वारा आम लोगों को शिक्षा का महत्व बताया जाता है। बच्चे देश का भविष्य हैं। इसलिए हमें सभी बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देना चाहिए। बच्चों के रहन-सहन के स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इन्हें स्वस्थ, निर्भीक और योग्य नागरिक बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह बाल दिवस का संदेश है। बाल दिवस के अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार बच्चों के भविष्य के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा करती है। बाल श्रम रोधी कानूनों को सही मायनों में पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। अनेक कानून बने होने के बावजूद बाल श्रमिकों की संख्या में वर्ष दर वर्ष वृद्धि होती जा रही है। इन बच्चों का सही स्थान कल-कारखानों में नहीं बल्कि स्कूल है।



अन्य देशों में बाल दिवस

भारत में यह दिन स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर को मनाया जाता है। कहा जाता है कि पंडित नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे, इसलिए बाल दिवस मनाने के लिए उनका जन्मदिन चुना गया। दरअसल, बाल दिवस की नींव 1925 में रखी गई थी, जब बच्चों के कल्याण पर विश्व कान्फ्रेंस में बाल दिवस मनाने की सर्वप्रथम घोषणा हुई। 1954 में दुनिया भर में इसे मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने यह दिन 20 नवंबर के लिए तय किया, लेकिन अलग-अलग देशों में यह अलग दिन मनाया जाता है। कुछ देश 20 नवंबर को भी बाल दिवस मनाते हैं। 1950 से बाल संरक्षण दिवस यानी 1 जून भी कई देशों में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन इस बात की याद दिलाता है कि हर बच्चा खास है और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनकी मूल जरूरतों और पढ़ाई लिखाई की जरूरतों का पूरा होना बेहद जरूरी है। यह दिन बच्चों को उचित जीवन दिए जाने की भी याद दिलाता है।

संविधान में बाल अधिकार

भारत का संविधान, संयुक्त राष्ट्र की योजनाओं के ही अनुरूप बच्चों के संरक्षण एवं अधिकारों की रक्षा के लिए कई सुविधाएं देता है। संविधान हर तरह से देश में बच्चों के कल्याण और उनकी शिक्षा एवं बालश्रम से मुक्ति के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से उन्मूलन के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है।

- अनुच्छेद 15 (3) : राज्य को बच्चों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अधिकार देता है।
- अनुच्छेद 21ए : राज्य को 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा देना क़ानूनी रूप से बाध्यकारी है।
- अनुच्छेद 24 : बालश्रम को प्रतिबंधित और गैर-कानूनी कहा गया है।
- अनुच्छेद 39 (ई) : बच्चों के स्वास्थ्य और रक्षा के लिए व्यवस्था करने के लिए राज्य क़ानूनी रूप से बाध्य है।
- अनुच्छेद 39 (एफ) : बच्चों को गरिमामय रूप से विकास करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य की नैतिक ज़िम्मेदारी है।

अमूमन हर अविभावक अपने बच्चे के लिए अच्छा सोचता है, अच्छे से अच्छा करना चाहता है। और उसे सबसे आगे देखना चाहता है। इतना तक तो ठीक है और बहुत स्वाभाविक भी, लेकिन यहां देखना होगा कि हम बच्चे की प्रतिभा के संपूर्ण विकास की नींव रख रहे हैं या उसे अपनी महत्वाकांक्षा का हिस्सा बनाकर उसकी जिंदगी में अंधेरी दलदल और तनाव परोस रहे हैं।





चाचा नेहरू बच्चों के साथ

नेहरूजी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, झुलाया तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुज़र रहे थे, वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया, वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडित जी को देखने के लिए डोल रहे हो। जैसे वे कह रहे हों हम तुम्हारा तमिलनाडु में स्वागत करते हैं। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतरकर वे गुब्बारे ख़रीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का-सा रह गया।

बाल शोषण

आज भी चाचा नेहरू के इस देश में लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं, जो चाय की दुकानों पर नौकरों के रूप में, फैक्ट्रियों में मजदूरों के रूप में या फिर सड़कों पर भटकते भिखारी के रूप में नजर आ ही जाते हैं। इनमें से कुछेक ही बच्चे ऐसे हैं, जिनका उदाहरण देकर हमारी सरकार सीना ठोककर देश की प्रगति के दावे को सच होता बताती है। यही नहीं, आज देश के लगभग 53.22 प्रतिशत बच्चे शोषण का शिकार हैं। इनमें से अधिकांश बच्चे अपने रिश्तेदारों या मित्रों के यौन शोषण का शिकार हैं। अपने अधिकारों के प्रति अनभिज्ञता एवं अज्ञानता के कारण ये बच्चे शोषण का शिकार होकर जाने-अनजाने कई अपराधों में लिप्त होकर अपने भविष्य को अंधकारमय कर रहे हैं। बचपन आज भी भोला और भावुक ही होता है लेकिन हम उन पर ऐसे-ऐसे तनाव और दबाव का बोझ डाल रहे हैं कि वे कुम्हला रहे हैं। उनकी खनकती-खिलखिलाती किलकारियां बरकरार रहें, इसके ईमानदार प्रयास हमें ही तो करने हैं। देश के ये गुलाबी नवांकुर कोमल बचपन की यादें सहेजें, इसके लिए ज़रूरी है कि हम उन्हें कठोर और क्रूर नहीं, बल्कि मयूर पंख सा लहलहाता बचपन दें। चाचा नेहरू को दो बातें बहुत पसंद थी। पहली वे अपनी शेरवानी की जेब में रोज़ गुलाब का फूल रखते थे और दूसरी वे बच्चों के प्रति बहुत ही मानवीय और प्रेमपूर्ण थे।

समारोह

हर वर्ष बचपन की यादों को ताजा करने के लिए बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिन हमें सिखाता है कि एक निर्दोष और जिज्ञासु बच्चे की तरह हमें सदैव खुश रहना चाहिए और हमेशा सीखने की कोशिश करते हुए मुस्कुराते रहना चाहिए। यह बच्चों के लिए उल्लास में डूब जाने का दिन है। स्कूलों में भी यह दिन बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। संपूर्ण भारत में इस दिन स्कूलों में प्रश्नोतरी, फैंसी परिधान प्रतियोगिता और बच्चों की कला प्रदर्शनियों जैसे कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं ने सभी पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए विशेष समारोह और प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू किया है। इस तरह के आयोजन देश के हर कोने में लोकप्रिय हुए हैं। अब टेलीविजन और अन्य मीडिया नेटवर्क समाज के प्रत्येक स्तर पर 14 नवंबर को बच्चों के लिए ख़ास कार्यक्रम बना रहे हैं।

राष्ट्रपति सहभागिता

हर वर्ष राष्ट्रपति भवन में देश भर से आए चुनिंदा बच्चों से भारत के राष्ट्रपति मुलाकात करते हैं। बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति बच्चों का मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे भी इस मौके पर देश के प्रति अपने विश्वास और भविष्य में चुनौतियों का सामना करने की भावना को व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल का मानना है कि देश के विकास में बच्चों की शिक्षा और अनुशासन का अमूल्य योगदान होता है। उन्होंने देश के शिक्षकों एवं छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इनकी कड़ी मेहनत तथा संस्कृति ने दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया है। देश के 11वें राष्ट्रपति (भूतपूर्व) डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम भी देश के विकास के लिए बच्चों का विकास आवश्यक मानते हैं। उन्होंने पद पर रहते हुए और बाद में भी कई मौकों पर यह संदेश दिया है कि देश का विकास बच्चों के हाथों में ही है। उन्होंने कहा था कि आज के साथ समझौता करने पर ही हम देश के बच्चों के लिए बेहतर कल दे सकेंगे। बच्चों के साथ उनके सवाल-जवाब पूरे देश में काफ़ी लोकप्रिय हैं।

जारी डाक टिकट

नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे ख़रीदवाए और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरू जी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज़ आवाज़ से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

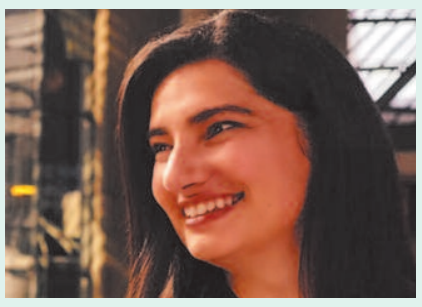
इंडोनेशिया में उपराष्ट्रपति जिब्रान ने दिया इस्तीफा, गहराया सियासी संकट

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो (जोकोवी) के 39 साल के बेटे जिब्रान के इस फैसले से राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और जोकोवी के बीच राजनीतिक गठबंधन पर संकट गहरा गया है। जिब्रान के सहयोगी बुडी एरी सेतियादी के मुताबिक, उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंप दिया है। जिब्रान की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठने के बाद उनका राजनीतिक संकट बढ़ गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनका शैक्षणिक समकक्षता प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। वहीं, करीब 120 सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग की मांग की है। इस्तीफे के बाद संसद का उच्च सदन खाली पद की घोषणा कर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराएगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, प्राबोवो और जोकोवी का गठबंधन टूटने से सरकार की अस्थिरता बढ़ सकती है। जब पहले से ही सरकार आर्थिक नीतियों, निवेशकों के घटते भरोसे और मुफ्त स्कूली भोजन योजना से जुड़े विवादों का सामना कर रही है।

ट्रंप की जांच पर गार्सिया ने व्हाइट हाउस की चेतावनी ठुकराई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की ओवरसाइट समिति के आगामी अध्यक्ष रॉबर्ट गार्सिया ने बुधवार (स्थानीय समय) कहा है कि उन्हें व्हाइट हाउस की तरफ से चेतावनी नहीं मिली है। यह चेतावनी डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों पर संभावित कानूनी कार्रवाई और यूएस कांग्रेस की तरफ से की जाने वाली जांच से जुड़ी है। गार्सिया ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट ट्रंप प्रशासन की जांच से डरेंगे नहीं। उन्होंने जनवरी में समिति का नियंत्रण संभालने पर आक्रामक तरीके से निगरानी का संकल्प भी दोहराया। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने गार्सिया को पत्र भेजकर सांविधानिक सीमाओं से बाहर जांच न करने की चेतावनी दी है। हालांकि, एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि गार्सिया को वह पत्र नहीं मिला है। व्हाइट हाउस के वकील विल शार्फ ने पत्र में सांसदों से सांविधानिक सीमाओं के भीतर जांच करने की अपेक्षा की।

लॉस एंजिलिस सिटी अटॉर्नी चुनी गईं भारतीय मूल की मारिसा रॉय



वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की वकील मारिसा रॉय अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर की सिटी अटॉर्नी चुनी गई हैं। मेयर-इलेक्ट नित्या रमन के साथ ही भारत से जुड़ीं दो महिलाएं अब शहर के तीन प्रमुख निर्वाचित पदों में से दो पर काबिज होंगी। कैलिफोर्निया की डिप्टी अटॉर्नी जनरल रॉय ने पिछले सप्ताह हुए दूसरे चरण के चुनाव में डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जॉन मैककिनी को हराया। उनकी मां भारत से अमेरिका आकर बसी थीं। चुनाव प्रचार के दौरान रॉय ने अपने परिवार के प्रवासी अनुभव को प्रमुखता से उठाया था। 'लॉस एंजिलिस टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, रॉय की जीत और जून में दोबारा निर्वाचित हुए फिलिपिनो-अमेरिकी सिटी कंट्रोलर केनेथ मेजिया के साथ अब शहर के तीनों प्रमुख निर्वाचित पदों पर एशियाई-अमेरिकी प्रतिनिधित्व होगा। यह लॉस एंजिलिस के इतिहास में पहली बार है। रॉय ने अखबार से कहा, ''मुझे लगता है कि यह केवल एशियाई-अमेरिकी समुदाय ही नहीं, बल्कि प्रवासी समुदाय के लिए भी एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। एक प्रवासी पृष्ठभूमि की मेयर और एक प्रवासी की बेटी का सिटी अटॉर्नी बनना लॉस एंजिलिस की ओर से यह संदेश है कि वह किस तरह का शहर है।' उन्होंने बताया कि भारत में रह रहे उनके रिश्तेदारों ने चुनाव पर करीबी नजर रखी थीं और जीत के बाद उन्हें व्हाट्सऐप पर बधाई संदेश भेजे। रॉय एशियन डेमोक्रेट्स ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी की संस्थापक बोर्ड सदस्य भी हैं। उनके चुनाव अभियान को कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा और सैन फ्रांसिस्को के सिटी अटॉर्नी डेविड चिउ का समर्थन मिला था।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में ढही 96 साल पुरानी तीन मंजिला रिहायशी इमारत

2 की मौत, 10 घायल, मलबे से गर्भवती महिला समेत दो को सुरक्षित बाहर निकाला



न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन इलाके में बुधवार शाम एक तीन मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 2 की मौत हो गई है, जबकि 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट और आपदा प्रबंधन दलों ने मलबे में दबे छह महीने की गर्भवती महिला समेत दो लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया है। फिलहाल मलबे के नीचे अन्य लोगों के दबे होने की आशंका के चलते युद्धस्तर पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। 1930 में बनी थी इमारत, चार परिवारों का था निवास हादसे का समयः न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब चार बजे के तुरंत बाद ब्रुकलिन स्थित इस इमारत के गिरने की सूचना प्राप्त हुई।

इमारत का इतिहासः वर्ष 1930 में निर्मित इस तीन मंजिला रिहायशी भवन में चार फ्लैट बने हुए थे। बगल में चल रहा था निर्माण कार्यः घटनास्थल की ड्रोन तस्वीरों में स्पष्ट दिख रहा है कि ध्वस्त हुई इमारत का मलबा ठीक बगल में चल रहे एक निर्माण स्थल (कंस्ट्रक्शन साइट) के गहरे गड्ढे में जा गिरा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, घायलों में बगल की साइट पर काम कर रहे निर्माण मजदूर भी शामिल हैं।

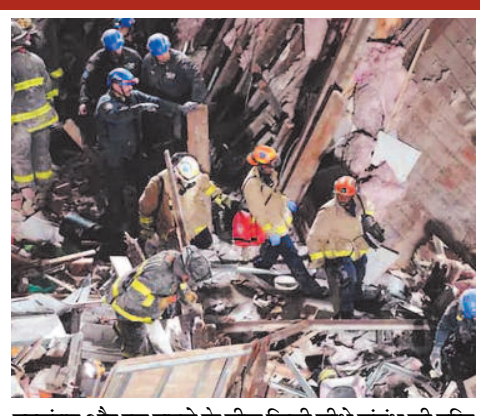
रेस्क्यू ऑपरेशनः बाल्टियों से हटाया जा रहा मलबा, खोजी कुत्तों की मदद

गर्भवती महिला को सुरक्षित निकालाः हादसे के बाद मौके पर दर्जनों दमकलकर्मी, बचाव दल और खोजी श्वान (स्निफर डॉग्स) तैनात किए गए। इमारत का ढांचा अस्थिर होने के कारण बचावकर्मी बेहद सावधानी बरतते हुए हाथों और बाल्टियों के जरिए मलबा हटाते नजर आए। इस दौरान एक महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने स्थानीय चैनल से बातचीत में उम्मीद जताई कि बचाई गई महिला उनकी पत्नी हैं, जो छह महीने की गर्भवती हैं। उन्होंने राहत की सांस लेते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं।'

एक अन्य व्यक्ति का भी रेस्क्यूः महिला के बाद बचाव दल ने मलबे से एक और व्यक्ति को जीवित बाहर निकालने में सफलता हासिल की। घायलों की स्थितिः फायर डिपार्टमेंट की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों लोगों को निकालने से पहले तक कुल 10 घायलों की पुष्टि हुई थी, जिनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

अप्रैल में नियम तोड़ने का मामला सामने आया था

स्थानीय न्यूज चैनल के मुताबिक न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड में इसी निर्माण स्थल पर अप्रैल में नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि काम रोकने का आदेश मिलने के बावजूद वहां निर्माण कार्य जारी रखा गया। यह वही जगह थी, जिसके बगल में तीन मंजिला इमारत ढही। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक पुराने उल्लंघन और इस हादसे के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है।



खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से लोगों की तलाश जारी

हादसे के बाद दमकल विभाग की करीब 250 लोगों की टीम बचाव अभियान में लगाई गई। दमकलकर्मियों ने मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली। शाम करीब 6:30 बजे बचावकर्मियों को मलबे में बने एक गड्ढे से एक व्यक्ति जिंदा मिला। दमकलकर्मियों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, अभी यह पता नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं। दमकल विभाग की प्रमुख लिलियन बोनसिग्नोर ने बताया कि दूसरी इमारत गिरने का खतरा भी है। इसलिए बचाव अभियान में काफी सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान कई दिनों तक चल सकता है।

हादसे के बाद आसपास की इमारतों की जांच शुरू

हादसे के बाद न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास की इमारतों की जांच शुरू की। हादसे में बगल की इमारत की एक दीवार पूरी तरह टूट गई थी। प्रशासन ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए सहायता केंद्र भी बनाया है। मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने हादसे से प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदना जताई।



न्यूयॉर्क में सुनीता विलियम्स का खास सम्मान, बनीं ग्रैंड मार्शल, 20 हजार लोगों की परेड का किया नेतृत्व

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड के दौरान 'ग्रैंड मार्शल' के रूप में सम्मानित किया गया। यह परेड पूर्व सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित की जाती है। नौसेना की सेवानिवृत्त कैप्टन सुनीता विलियम्स ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को मैनहट्टन के फिफ्थ एवेन्यू पर 20,000 लोगों की परेड का नेतृत्व किया। सुनीता विलियम्स ने कहा कि 'ग्रैंड मार्शल' बनना उनके लिए 'एक बहुत बड़ा सम्मान' है। उन्होंने याद करते हुए कहा, नौसेना में बिताए समय ने मुझे वह बनाया है जो मैं आज हूं, और इसने मुझे आगे आने वाली हर चुनौती के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं न्यूयॉर्क के लोगों और पूरे अमेरिका के नागरिकों के साथ मिलकर, हर पीढ़ी के पूर्व सैनिकों की सेवा, बलिदान और समर्पण का सम्मान कर रही हूं। नासा से जुड़ने से पहले, विलियम्स एक टेस्ट पायलट थीं। उन्होंने अंतरिक्ष में तीन मिशनों के दौरान कुल 608 दिन बिताए और एक महिला के रूप में सबसे अधिक नौ बार स्पेस वॉक करने का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें उन्होंने कुल 62 घंटे अंतरिक्ष में बिताए। यह 107वीं वार्षिक 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड थी। इसमें हजारों पूर्व सैनिकों के साथ-साथ सशस्त्र बलों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सामुदायिक समूहों और स्कूलों के दलों ने हिस्सा लिया, और कई बैंड भी शामिल हुए। परेड में कई कंपनियों की झांकियां थीं, जिनमें उनके यहां काम करने वाले पूर्व सैन्य कर्मियों को दिखाया गया था। परेड से एक दिन पहले, विलियम्स ने 'यूएसएस सैन एंटोनियो' जहाज पर मरीन कॉर्प्स की स्थापना की 251वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में भाग लिया।

पाकिस्तान में पुलिस टीम पर हमला, 11 की मौत

अवैध सोने की खदान पर छापेमारी करने गए थे, हमलावरों ने पहाड़ियों से गोलियां बरसाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसमें एक डीएसपी और एक सब-इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। पुलिस टीम अवैध सोने के खनन के खिलाफ छापेमारी करने जा रही थी। इसी दौरान कोहाट और करक के बीच दरबोकाच इलाके में हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। हमलावर आसपास की पहाड़ियों पर छिपे थे। घटना कोहाट जिले के गंबत इलाके की है। हमले में पुलिस की 5 गाड़ियों को आग लगा दी गई। अचानक हुई गोलीबारी से पुलिस टीम को संभलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद पुलिस और हमलावरों के बीच भारी गोलीबारी हुई।

पुलिस ने टीटीपी पर हमले का आरोप लगाया

हमले के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा जवान भेजे गए। पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घायलों के इलाज के लिए जिला मुख्यालय टीचिंग अस्पताल में इमरजेंसी घोषित की गई। पुलिस ने हमले के पीछे प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकियों का हाथ बताया है। टीटीपी को पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। यह पाकिस्तान में सक्रिय एक आतंकी संगठन है, जो पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ लड़ता है। टीटीपी पाकिस्तान में इस्लामी कानून यानी शरिया लागू करना चाहता है।



खुदाई मशीनें खड़ी करने पर रोक लगी थी

कोहाट में अवैध तरीके से सोना निकालने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पहले से कार्रवाई कर रहा था। हमले से एक दिन पहले ही डिप्टी कमिश्नर ने खनन वाले इलाकों में 60 दिनों तक खुदाई की मशीनें खड़ी करने पर रोक लगा दी थी। प्रशासन का कहना था कि कुछ लोगों ने खनन वाले इलाकों के पास अपने घरों में ये मशीनें खड़ी कर रखी थीं। इनका इस्तेमाल चोरी-छिपे सोना निकालने में किया जा सकता था। कई बार कार्रवाई के बाद भी लोग इन मशीनों का इस्तेमाल अवैध खनन के लिए कर रहे थे। इसके अलावा, प्रशासन ने खुले डिब्बों और बोतलों में पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन बेचने और खरीदने पर भी रोक लगा दी थी। अधिकारियों के मुताबिक, अवैध तरीके से सोना निकालने के काम में इनका इस्तेमाल किया जा रहा था।

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस पर बढ़े आतंकी हमले

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला जारी है। पिछले एक महीने में यहां कई बार पुलिस को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में कई पुलिसकर्मियों की जान जा चुकी है, जबकि कई घायल हुए हैं।

3 नवंबरः मोहम्मद जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी की। इसमें 2 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हुआ।

29 अक्टूबरः बाजौर जिले में आतंकियों ने पुलिस चौकी पर हमला किया। इसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई।

20 अक्टूबरः उत्तरी वजीरिस्तान में मीरानशाह बाईपास रोड के पास गोलीबारी में एक अतिरिक्त थाना प्रभारी की मौत हो गई।

7 अक्टूबरः कोहाट में आतंकियों ने पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाया। इस हमले में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

समाधि के पास ठहाके लगाना पड़ा भारी, अमेरिकी गार्ड ने रोका

रक्षा मंत्री हेगसेथ की टीम को सुनाई खरी-खरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में वेटरंस डे समारोह के बाद एक ऐसी घटना हुई, जिसने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को चर्चा में ला दिया। दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री अपनी पत्नी जेनिफर और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में अज्ञात सैनिक की समाधि के पास तस्वीरें खिंचवाने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके समूह के कुछ सदस्य हंसते और आपस में बातचीत करते नजर आए। वहां तैनात अमेरिकी सेना के एक संतरी ने उन्हें तुरंत टोक दिया और स्मारक की गरिमा बनाए रखने की याद दिलाई। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार हुई।



संतरी ने क्या कहकर रोका? : संतरी उस समय स्मारक की निगरानी कर रहा था। समूह के कुछ लोगों को हंसते और बातचीत करते देखकर उसने उन्हें नियमों की याद दिलाई। उसने साफ शब्दों में कहा, 'सभी आगंतुक हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखें।' यह पूरा घटनाक्रम एक वीडियो में भी सामने आया है। इस समूह में हेगसेथ के अलावा उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार एवं डिप्टी असिस्टेंट टैमी राडाबॉ शामिल थे। घटना सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने संतरी की कार्रवाई को सही बताया। उन्होंने कहा कि सैनिक ने स्मारक पर आने वाले लोगों को वहां की गरिमा बनाए रखने की उचित तरीके से याद दिलाई। पार्नेल के मुताबिक, रक्षा मंत्री और पूरा रक्षा विभाग अमेरिकी सैनिकों के बलिदान का हमेशा सम्मान करता आया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस गंभीर दिन को याद करते हुए एक सैनिक ने सभी को मर्यादा बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।'

अज्ञात सैनिक की समाधि इतनी खास क्यों है?: अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में स्थित अज्ञात सैनिक की समाधि अमेरिका के सबसे पवित्र सैन्य स्मारकों में गिनी जाती है। यहां प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए एक ऐसे अमेरिकी सैनिक को अंतिम विदाई दी गई थी, जिसकी पहचान नहीं हो सकी थी। इस समाधि की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिकी सेना की थर्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान संभालते हैं। इसे 'द ओल्ड गार्ड' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1948 से यहां लगातार संतरी तैनात हैं।



स्पेन में आवास संकट के खिलाफ 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी हड़ताल

सड़कों पर उतरे लाखों लोग

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में गहराते आवास संकट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह पिछले 14 वर्षों में देश की पहली आम हड़ताल है। प्रदर्शनकारियों ने मकानों और किराये की बढ़ती कीमतों, किफायती आवास की कमी और आवास बाजार में आम लोगों की घटती पहुंच के खिलाफ आवाज उठाई। हड़ताल के जरिए श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आवास को केवल निवेश और मुनाफे का साधन मानने के बजाय बुनियादी अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने की मांग की। प्रमुख स्पेनिश दैनिक अल पायस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को हुई 24 घंटे की इस हड़ताल में देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ के साथ किरायेदार संगठनों ने भी हिस्सा लिया। किरायेदार संगठनों का आरोप है कि मकानों की बढ़ती कीमतों, बेदखली और अल्पकालिक किराये पर मकान देने की प्रवृत्ति ने आम लोगों के लिए घर खरीदना और किराये पर लेना मुश्किल कर दिया है। किरायेदार संगठनों के मुताबिक, दोपहर तक करीब 40 लाख लोग हड़ताल में शामिल हो चुके थे। श्रमिक संगठनों ने ऑटोमोबाइल और बंदरगाह क्षेत्रों में 90 प्रतिशत, मांस उद्योग में 85 प्रतिशत और कचरा संग्रहण क्षेत्र में 82 प्रतिशत भागीदारी का दावा किया। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में हड़ताल का असर एक समान नहीं रहा। राजधानी मैड्रिड और बार्सिलोना में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। कई दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं।

ट्रंप-नेतन्याहू के बीच तीखी बहस का दावा, फोन पर बातचीत चिल्लाने तक पहुंची

ईरान पर कार्रवाई को लेकर उभरे मतभेद

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के खिलाफ युद्ध की आगे की रणनीति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच तनाव की खबरें सामने आई हैं। इस्राइली मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत तीखी बहस में बदल गई। इस दौरान दोनों के बीच ईरान को लेकर अमेरिकी और इस्राइली रणनीति पर मतभेद सामने आए। इस्राइल के समाचार संस्थानों येनेट और येदियोत अहरोनोत की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने ट्रंप पर ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करने का दबाव बनाया। वहीं, ट्रंप ने तेहरान के साथ चल रही शांति वार्ता को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

दोनों नेताओं के बीच किस बात पर मतभेद? : रिपोर्टों के मुताबिक, नेतन्याहू लगातार अमेरिका से ईरान पर फिर हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की दिशा में कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं। वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखकर कूटनीतिक बातचीत के जरिए रियायतें हासिल करना चाहते हैं। दोनों मीडिया संस्थानों ने सूत्रों के हवाले से बातचीत को बेहद तीखी बताते हुए इसे 'शाउटिंग मैच फ्रॉम हेल' यानी तीखी बहस कहा। हालांकि, इस्राइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दोनों नेताओं के बीच समाहांत में बातचीत होने की पुष्टि की, लेकिन किसी टकराव से इनकार किया। नेतन्याहू के कार्यालय ने भी बातचीत के दौरान झगड़े की खबरों को खारिज किया। कार्यालय ने इन रिपोर्टों को 'फेक न्यूज' बताया।



पहले भी फोन पर हुई थी तीखी बातचीत : ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान संघर्ष को लेकर पहले भी फोन पर तीखी बातचीत हो चुकी है। जून में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर असहमति सामने आई थी। उस दौरान ट्रंप ने द पोस्ट से बातचीत में कहा था कि एक फोन कॉल के दौरान उन्होंने नेतन्याहू को अपशब्द बोलते हुए पागल कहा था। फाइनेंशियल टाइम्स ने भी कुछ दिन पहले रिपोर्ट दी थी कि नेतन्याहू ट्रंप को रोजाना फोन कर ईरान के खिलाफ पूर्ण सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। अक्तूबर चुनाव के बाद नेतन्याहू की स्थिति पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, आम चुनाव में सीटें गंवाने के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ दोबारा हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की मांग जारी रखी है। मंगलवार को 26वीं नेसेट विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान के नेतृत्व को बदलना ही उस खतरे को खत्म करने का एकमात्र रास्ता है, जिसे वह तेहरान का आतंक बताने वाली नीति और परमाणु कार्यक्रम से जोड़ते हैं। नेतन्याहू ने कहा, 'ईरान परमाणु खतरे को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। इस अस्तित्व के खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्ला शासन को हटाना है।'

ट्रंप ने फिर युद्ध शुरू करने से किया इनकार

नेतन्याहू की मांगों के बावजूद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू करने के संकेत नहीं दिए हैं। वह आर्थिक दबाव अभियान जारी रखकर ईरान को बातचीत की मेज पर रियायतें देने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। रविवार को '60 मिनट्स' कार्यक्रम में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह ईरान के खिलाफ युद्ध फिर शुरू करेंगे, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने का कोई कारण नहीं दिखता। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच हालिया बातचीत ने ईरान को लेकर उनकी अलग-अलग रणनीतियों को उजागर किया है। नेतन्याहू सैन्य कार्रवाई और सत्ता परिवर्तन पर जोर दे रहे हैं, जबकि ट्रंप कूटनीति और आर्थिक दबाव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ऑफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मणिपुर में बड़ा हमला : दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी, दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को उखरुल जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने दो चारपहिया वाहनों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। पुलिस ने घटना की पुष्टि कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वारदात इंफाल-उखरुल सड़क पर स्थित न्यू हेवन इलाके में हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलियां चलाईं। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान मिले हैं। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को भी मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गोलीबारी की घटना हुई थी। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तापहोउ कुकी गांव और पड़ोसी सेनापति जिले के कैलेन्गजांग के बीच सुबह करीब 11 बजे दो संदिग्ध विद्रोही गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान खेत में काम कर रही 43 वर्षीय कुकी महिला चोंगलोई की गोली लगने से मौत हो गई थी। उनका शव खेत से बरामद किया गया था। घटना में दो अन्य पुरुष एस. डेविड चोंगलोई (34) और लमखोचोन चोंगलोई (46) भी घायल हुए थे। दोनों को कांगपोकपी जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार दो दिनों में हुई गोलीबारी की इन घटनाओं से मणिपुर में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

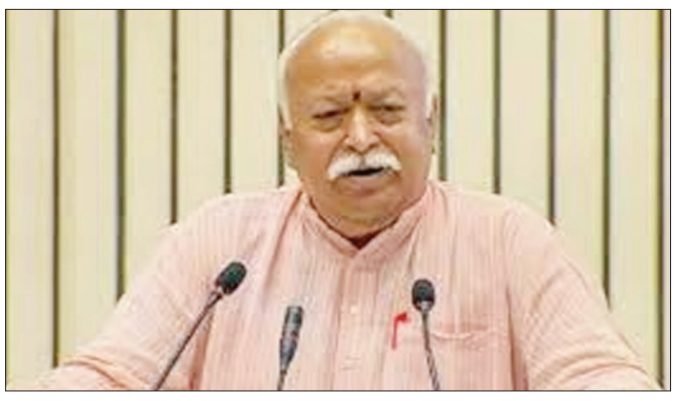
छठ पर्व : देहरादून स्टेशन पर यात्रियों की भगदड़

देहरादून, एजेंसी। छठ पर्व के मौके पर, देहरादून रेलवे स्टेशन पर पूर्वांचल के यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे गोरखपुर जाने वाली राप्ती गंगा एक्सप्रेस में सीट पाने को लेकर भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। करीब 2:15 बजे जैसे ही दून से गोरखपुर जाने वाली राप्ती गंगा एक्सप्रेस स्टेशन में दाखिल हुई, पूर्वांचल व बिहार के यात्रियों में अपनी जगह बनाने की होड़ शुरू हो गई। हर कोई सीट पाने के लिए डिब्बों की ओर बेतहाशा दौड़ पड़ा, जिससे प्लेटफार्म पर धक्का-मुक्की और अव्यवस्था का माहौल बन गया। ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों में भारी आपाधापी मच गई। भीड़ इतनी अनियंत्रित थी कि सुरक्षा के लिहाज से तैनात आरपीएफ और जीआरपी पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अनियंत्रित जनसैलाब को काबू करने में जवानों के पसीने छूट गए, क्योंकि स्टेशन का हर कोना भीड़ और भगदड़ में तब्दील हो गया था। सीट पाने की इस आपाधापी में यात्रियों ने कोच की खिड़कियों से भी अंदर घुसने में परहेज नहीं किया, हर कोई किसी भी तरह ट्रेन में प्रवेश पाने की जद्दोजहद में लगा था। सुरक्षाकर्मियों ने लगातार दौड़ते हुए यात्रियों को भगदड़ व किसी संभावित घटना से बचाने का प्रयास किया। कई महिलाओं और युवतियों को यात्रियों के बीच फंसे देख जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित कोच व सीटों तक पहुंचाया। देखते ही देखते ट्रेन के सभी डिब्बे पूरी तरह से यात्रियों से खचाखच भर गए। इस भारी भीड़ और अफरा-तफरी के बावजूद, राप्ती गंगा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय करीब 3:15 बजे देहरादून से गोरखपुर के लिए रवाना हुई।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी, गुलमर्ग-सोनमर्ग में बिछी सफेद चादर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटों में जबरदस्त बर्फबारी हुई। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट और सोनमर्ग के पर्यटक स्थल पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई, जिससे वहां आए पर्यटक काफी उत्साहित नजर आए। हालांकि, ताजा बर्फबारी के कारण कई पहाड़ी दर्रे बंद हो गए हैं। श्रीनगर-लेह हाईवे, मुगल रोड पर पीर की गली, किश्तवाड़ जिले की ओर जाने वाला सिंथन दर्रा, गुरेज सीमावर्ती कस्बे की ओर जाने वाला राजदान दर्रा और तंगधार व करनाह की ओर जाने वाला साधना टॉप बर्फ से ढक गए हैं और वहां आवागमन मुश्किल हो गया है।

सेवा कोई पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है : मोहन भागवत



नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि सेवा कोई पेशा या आजीविका कमाने का माध्यम मात्र नहीं है, बल्कि समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। करुणा, संवेदनशीलता और मानवता ही एक स्वस्थ समाज की वास्तविक बुनियाद हैं। लोगों को बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। संघ प्रमुख भागवत ने यह बात शुक्रवार को डॉ. संजय पैठणकर को विदर्भ गौरव पुरस्कार प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति से हमारा व्यक्तिगत संबंध हो या न हो, यदि वह किसी परेशानी या दुख में है, तब उसकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। ऐसा करते समय यह भावना नहीं होनी चाहिए कि हम कोई असाधारण काम कर रहे हैं। दूसरों के दुख को समझना और उस दुख को दूर करने का प्रयास करना ही सच्ची मानवता है।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि समाज केवल आर्थिक समृद्धि से मजबूत नहीं बनता, बल्कि उसके अस्तित्व का आधार आपसी संवेदनशीलता और करुणा है। जब तक लोगों में दूसरों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना बनी रहेगी, तब तक समाज मजबूत बना रहेगा। संवेदनशीलता समाप्त होने का अर्थ मानवता का कमजोर होना है। पुरस्कारों के महत्व पर उन्होंने कहा कि समाजसेवा करने वाले लोग सम्मान या पुरस्कार पाने की इच्छा से काम नहीं करते। पुरस्कार उनके योगदान को सम्मानित करने और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए दिए जाते हैं। ऐसे सम्मान समाज के अन्य लोगों को भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने धर्म की अवधारणा को मानवता और भाईचारे से जोड़ते हुए कहा कि सत्य, करुणा, पवित्रता और आत्मसंयम इसके मूल गुण हैं। मानवता और आपसी सद्भाव ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। इस दौरान भागवत ने गुरु और शिष्य का प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने बताया कि गुरु ने शिष्य को ऐसी जगह जाकर फल खाने को कहा, जहां शिष्य को कोई देख न सके। शिष्य बिना फल खाए लौट आया, क्योंकि उसके अनुसार ऐसी कोई जगह नहीं थी, जहां ईश्वर मौजूद न हों। भागवत ने कहा कि जब व्यक्ति दूसरों में भी ईश्वर का स्वरूप देखता है, तब उसके भीतर स्वाभाविक रूप से प्रेम, करुणा और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित होती है।

तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर निकला कुबेर, एसीबी को मिली करोड़ों की दौलत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमारी में मिली संपत्तियों ने सभी को चौंका दिया है। राज्य सिंचाई विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राधिरी सत्यनारायण के 10 ठिकानों पर हुई कार्रवाई में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। एसीबी को हैदराबाद के कुकटपल्ली में 7 करोड़ का एक आलीशान विला, वानापर्थी में 25 एकड़ कृषि भूमि और फार्महाउस, करीब 50 तोला सोना, और परिवार के सदस्यों के नाम पर कई फ्लैट व प्लॉट के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा सत्यनारायण की पत्नी के नाम पर 9 खुले प्लॉट और हैदराबाद में दो फ्लैट (एक करमनघाट में 3-बीएचके और दूसरा नागोले में 2-बीएचके) भी जांच के दायरे में हैं। छापेमारी के दौरान एसीबी को परिवार के पास 3 से 4 चार-पहिया वाहन और एक दो-पहिया वाहन होने की जानकारी भी सामने आई है। वित्तीय निवेश के रूप में म्यूचुअल फंड और चिट फंड में करीब 20 लाख रुपये और बीमा पॉलिसियों से जुड़ी जानकारी भी एसीबी ने जुटाई है। हालांकि, जांच टीम को कोई बैंक लॉकर नहीं मिला। एसीबी ने सत्यनारायण के पैतृक गांव शापुर, वानापर्थी, हैदराबाद और उनके परिवार व रिश्तेदारों से जुड़े कुल 10 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। सत्यनारायण ने साल 2005 में असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में सरकारी सेवा शुरू की थी और वर्तमान में सिंचाई विभाग में डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी भी बिजली विभाग (ट्रांसको) में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो पता लगाने में जुटी है कि एक सरकारी इंजीनियर की वैध आमदनी के मुकाबले इतनी बड़ी संपत्ति कैसे जमा हुई। एजेंसी अधिकारी की कुल आय, नौकरी से अर्जित वेतन, निवेश और परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद सभी संपत्तियों का हिसाब जुटा रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, 19-20 नवंबर को तट से टकराने के आसार

- संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर एकमत नहीं मौसम एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में फिर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है, इससे तटीय राज्यों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, संभावित तूफान 19 या 20 नवंबर के आसपास तट के करीब पहुंच सकता है। हालांकि, इसके संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर अभी भी काफी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि अलग-अलग मॉडल भिन्न-भिन्न अनुमान जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूरोपीय मॉडल तूफान को आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट की ओर बढ़ने का संकेत दे रहे हैं, जबकि अन्य इस चक्रवाती तूफान को बांग्लादेश या म्यांमार की ओर मुड़ने की संभावना जता रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि मध्य अंडमान सागर में बना चक्रवाती परिसंचरण अब दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। उम्मीद है कि 15 नवंबर तक यह दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में अवदाब में तब्दील होगा। आईएमडी के विस्तारित पूर्वानुमान में कहा गया है कि यह अवदाब के और अधिक मजबूत होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है, लेकिन इसके संभावित मार्ग और तट से टकराने के स्थान को लेकर विभिन्न मौसम मॉडल में एकमत नहीं है। इसकारण आईएमडी ने अभी तक कोई स्पष्ट पूर्वानुमान जारी नहीं किया है और अवदाब बनने के बाद ही स्थिति साफ होने की उम्मीद है। इस बीच, भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, ओडिशा में अगले सात दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 17-18 नवंबर के आसपास राज्य के मौसम में बदलाव देखा जा सकता है। सोआ के जलवायु एवं पर्यावरण केंद्र (सीईसी) के निदेशक डॉ. शरत चंद्र साहू ने अनुमान जताया है कि यदि यह प्रणाली चक्रवाती तूफान का रूप लेती है, तब 19 नवंबर की रात या 20 नवंबर की सुबह यह आंध्र प्रदेश के कावली से मछलीपट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में 17-18 नवंबर से ओडिशा के गंजाम, गजपति और पुरी जिलों में हल्की बारिश शुरू हो सकती है, जिसके बाद 19 से 21 नवंबर के बीच दक्षिण ओडिशा के कोरापुट, नवरंगपुर, मलकानगिरि, रायगड़ा और गजपति जिलों में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, मौसम वैज्ञानिक विश्वजीत साहू के अनुसार, 17 नवंबर के आसपास चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, जिसके शुरुआती आकलन में आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने के संकेत हैं।

छठ पूजा और भोजपुरी गानों पर सियासी घमासान, राज ठाकरे ने बीजेपी को दी खुली चुनौती

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र में छठ पूजा और भोजपुरी गानों को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को निशाने पर लेकर लगातार तीन पोस्ट किए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी आगामी चुनावों को देखकर महाराष्ट्र में सामाजिक तनाव और मराठी-अमराठी विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने मराठी समाज से बीजेपी की कथित रणनीति में नहीं फंसने की अपील की।

राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीजेपी और उससे जुड़े सोशल मीडिया समूह छठ पूजा को सांस्कृतिक अतिक्रमण के तौर पर पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ रील्स और वीडियो के जरिए लोगों के बीच तनाव फैलाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने का जिक्र कर दावा किया कि मनसे ने इन गानों को बंद करवाया था।

मनसे प्रमुख ने पूरे घटनाक्रम को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी विकास के मुद्दों पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं होती तो समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच विवाद खड़ा करती है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान हिंदू-मुस्लिम और विधानसभा चुनावों के समय जातिगत मुद्दों को हवा देने का भी आरोप लगाया।

राज ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दौरान कबूतरखाने के विवाद का उल्लेख कर कहा कि इसके जरिए गुजराती और मराठी समाज के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने बीजेपी पर महाराष्ट्र के सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का आरोप भी लगाया। मराठी समाज से अपील कर राज ठाकरे ने कहा कि लोग दूसरों के तय किए राजनीतिक मैदान में उतरकर आपस में न लड़ें। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की गुरिल्ला युद्धनीति का जिक्र कर कहा कि



जवाब कब और कैसे देना है, इसका फैसला महाराष्ट्र के लोग खुद करने वाले है। उन्होंने उत्तर भारतीयों और गुजराती समाज से भी राजनीतिक स्वार्थ के लिए मराठी लोगों के खिलाफ खड़े नहीं होने की अपील की।

राहुल गांधी के दावों पर अखिलेश को याद आए अमर सिंह... उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही



लखनऊ ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फोन टैपिंग के दावे पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि आज के दौर में कुछ भी संभव है। तकनीक इतनी आसान हो गई है कि किसी का भी फोन टैप हो सकता है। उन्होंने पूर्व सपा नेता अमर सिंह का जिक्र कर कहा कि उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही थी, जो सच साबित हुई थी। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री योगी को कैसे पता चला कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कट गए हैं? चुनाव आयोग ने उन्हें यह जानकारी किस आधार पर दी? अखिलेश ने आरोप लगाया कि बीजेपी मतदाता सूची में हेराफेरी करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने वोट बचाने में कामयाब रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक करोड़ 27 लाख हिंदू वोट कटने की बात कही, ताकि समाज में डर का माहौल बन सके। अखिलेश ने सवाल किया कि चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री को यह आंकड़ा कैसे उपलब्ध कराया।

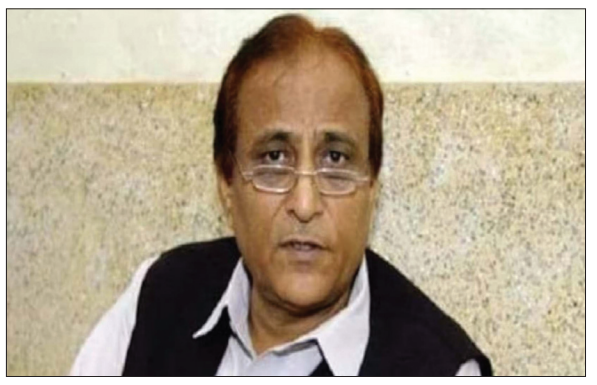
वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर बिना नाम लिए पलटवार कर अखिलेश ने कहा कि जब बीजेपी को कुछ नहीं सूझता, तब लोगों को भैंस चराने की सलाह दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार आने के बाद से भेदभाव बढ़ा है और उत्तराखंड में भी लोगों को संविधान के तहत उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं।

ईडी हिरासत में आजम खान का छलका दर्द... शिक्षा का मंदिर बनाना ही मेरी गलती

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार दिन की हिरासत में ले लिया है। गाजियाबाद स्थित विशेष न्यायाधीश ने ईडी की रिमांड अर्जी स्वीकार कर ली, जिसके बाद उन्हें डासना जेल से पूछताछ के लिए ले जाया गया। इस दौरान, आजम खान ने कहा, बच्चों को पढ़ाने का गुनाह किया है। यूनिवर्सिटी बनाई, स्कूल बनाए, शिक्षा का मंदिर एक मुसलमान ने बना दिया, यही एक गुनाह हो गया। ईडी की यह हिरासत 12 की शाम 4:30 बजे से 16 नवंबर की शाम 4:30 बजे तक प्रभावी रहेगी।

अदालत ने रिकॉर्ड देखने के बाद पाया कि धन के व्यापक लेनदेन का पता लगाने के लिए आजम से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसके पहले, ईडी ने 30 अक्तूबर को आजम को गिरफ्तार कर 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजा था। यह मामला जौहर विश्वविद्यालय के लिए 27 किसानों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने के आरोपों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। आलियागंज के किसानों द्वारा जमीन हड़पने के आरोपों से संबंधित मुकदमों की सुनवाई, जो एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है, ईडी की हिरासत के चलते टल गई। इन मामलों की अगली सुनवाई अब 30 नवंबर को तय की गई है।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने डासना जेल में आजम से मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवपाल ने कहा कि उन्हें अब केवल न्यायालय से ही उम्मीद है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन तथा प्रशासन आजम का उत्पीड़न कर रहा है और उन पर लगाए गए सभी मुकदमों को झूठा बताया। शिवपाल यादव के अनुसार, आजम का एकमात्र दोष गरीब बच्चों के लिए विश्वविद्यालय बनाना था।



छठ पूजा से पहले यमुना में मरी मछलियों पर सियासत तेज, भाजपा और आप आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में छठ पूजा से पहले यमुना नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सोनिया विहार के पास नदी में मरी मछलियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस घटना ने यमुना के प्रदूषण और जल की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यमुना की सफाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार नदी को साफ करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग है। उन्होंने सवाल उठाया कि मछलियों की मौत प्रदूषण के कारण हुई या पानी में किसी हानिकारक रसायन के मिलने से। उन्होंने सरकार से इसकी जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। आप नेता भारद्वाज ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि मरी हुई मछलियां जानबूझकर नदी में डाली गई हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं को अपने आरोपों



के समर्थन में सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की चुनौती दी। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि हजारों मरी हुई मछलियों को इकट्ठा करके नदी में डालने का आरोप निराधार है और दिल्ली सरकार को वास्तविक कारणों का पता लगाना चाहिए।

वहीं, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आप पर पलटवार कर आरोप लगाया कि विपक्षी दल यमुना में मरी हुई मछलियां डालकर दिल्ली सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस हरकत को छठ पूजा जैसे धार्मिक मौके से पहले बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और बड़ा पाप बताया। मंत्री सिरसा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने यमुना के 60 प्रतिशत हिस्से की सफाई कर रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नदी में क्रूज सेवा शुरू होने और सफाई के प्रयासों से परेशान होकर आप इस तरह की गतिविधियां कर रही है।

इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड ने मामले में दिल्ली पुलिस को शिकायत देकर सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सौंपी

मुंबई, एजेंसी । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस ने जांच को लेकर बड़ा फैसला लिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) से इस मामले की जांच वापस लेकर क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 को सौंप दी गई है। मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की धाराएं लगने के बाद जांच की जिम्मेदारी में यह बदलाव किया गया है। अब एसीपी सदाशिव राणे इस मामले के नए जांच अधिकारी होंगे। उनकी मदद के लिए यूनिट-2 की एक विशेष टीम भी बनाई गई है। इस बदलाव को मुंबई पुलिस आयुक्त के एक अहम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पुलिस आयुक्त ने क्राइम ब्रांच की यूनिट एंटी-एक्सटॉर्शन सेल को अपने पास मौजूद तीन से चार अहम और हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच दूसरी क्राइम ब्रांच यूनिट्स को सौंपने का निर्देश दिया है।

वेसू में 15 और 16 नवंबर को होगा छठ पूजा महापर्व का भव्य आयोजन

क्रांति समय

